राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार, 04 मई 2025

वर्ष 14, अंक 25, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश , असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

नगर पंचायत प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण,गरजा बुलडोजर ...03

एसडीएम ने अवैध खनन में पांच टैक्टर ट्राली एक जेसीबी पकड़ी....04

पाकिस्तान पर गरजा अमेरिका- PM मोदी को हमारा "फुल सपोर्ट", आतंकवादियों पर टूटेगा कहर

स्वतंत्र प्रभात

New York: अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मजबूती से खड़ा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को "हमारा पूरा समर्थन" है। मंत्रालय ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत और पाकिस्तान से एक ऐसा उचित समाधान तलाशने की दिशा में काम करने का आग्रह किया है जो दक्षिण एशिया में दीर्घकालिक शांति एवं क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका स्थिति पर "बारीकी से नजर रख रहा है।" विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अलग-अलग बात की। ब्रूस ने कहा, "जैसा कि (अमेरिका के) राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री मोदी से कहा था, अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मजबूती से खड़ा है और प्रधानमंत्री मोदी को हमारा पूरा समर्थन है।" ब्रूस ने बताया कि रुबियो ने "दोनों देशों से जिम्मेदारी से एक ऐसा समाधान तलाशने की दिशा में काम करने का आग्रह किया जो दक्षिण एशिया में दीर्घकालिक शांति एवं क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखे। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, हम कई स्तरों पर दोनों देशों की सरकारों के संपर्क में हैं।" उन्होंने कहा, '' सरकार लगातार संपर्क में है। हम दोनों पक्षों से जिम्मेदारी से कोई समाधान निकालने के लिए कह रहे हैं। मैं आपको इसके अलावा कोई और जानकारी नहीं दे सकती।" अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान से तनाव कम करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है। उसने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग करने की

अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है और पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच में पाकिस्तान से सहयोग करने का आग्रह किया है। जयशंकर के साथ बुधवार रात को फोन पर हुई बातचीत में रुबियो ने पहलगाम में हुए "भयावह" आतंकवादी हमले में लोगों के मारे जाने पर दुख व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ सहयोग को लेकर अमेरिका की प्रतिबद्धता जताई। ब्रूस ने एक बयान में बताया कि रुबियो ने दक्षिण एशिया में तनाव कम करने और शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए भारत से पाकिस्तान के साथ काम करने का आग्रह किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा की। इसके दोषियों, उनका सहयोग करने वालों और साजिश रचने वालों को न्याय के दायरे में लाया जाना चाहिए।"रुबियो ने शरीफ के साथ बातचीत में पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा पाकिस्तानी अधिकारियों से "इस अमानवीय हमले" की जांच में सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने पाकिस्तान को तनाव कम करने, सीधे संचार को फिर से स्थापित करने और दक्षिण एशिया में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। रुबियो और शरीफ ने "आतंकवादियों को हिंसा के जघन्य कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।"

पंजाब में सरे बाजार लड़की के पीछे कैंची लेकर भागा आशिक, बोला-Yes Or No...

स्वतंत्र प्रभात

जगराओं- शहर के अनारकली बाजार में उस समय हड़कंप मच गया जब एक कपड़े की दुकान पर काम कर रही लड़की से नशे की हालत में आए युवक ने सरेआम छेड़छाड़ करनी शुरू कर दी। लड़की द्वारा विरोध करने पर युवक ने दुकान के अंदर ही तमाशा खड़ा कर दिया।

मौके पर पहुंचे लड़की के परिजनों ने बाजार में ही उसकी जमकर पिटाई कर दी और फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक हाथ

में कैंची लेकर दुकान में घुसा और लड़की से हां-या ना पूछने लग पड़ा। जब लड़की ने विरोध किया तो उसने खुद को कैंची मारने की धमकी देनी शुरू कर दी। दुकान मालिक ने भी जब उसे समझाने की कोशिश की तो युवक ने दुकान के अंदर ही डेरा

जमा लिया और कहा कि जो भी उसके पास आएगा, वह उसे कैंची मार देगा। घटना की सूचना मिलते ही बाजार में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लड़की के परिजनों को बुलाया गया और पुलिस को भी सूचना दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही परिजनों ने युवक के हाथ से कैंची छीनकर उसकी जमकर पिटाई की और फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह युवक पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका है और गांव के सरपंच के कहने पर उसे पहले चेतावनी देकर छोड़ दिया गया था। लेकिन इस बार उसने सारी हदें पार कर दीं, जिसके चलते अब उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि युवक ने लड़की के साथ अभद्र व्यवहार किया है और उसे थाने ले जाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में मोटा अनाज (मिलेट्स) उत्पादन से किसानों को हो रहा है लाभ

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में ज्वार, बाजरा, कोदो, सावाँ, रागी/मडुआ आदि मोटे अनाज की खेती, प्रसंस्करण और उपभोग बढ़ाने के लिए राज्य सरकार नेउत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्र को मंजूरी दी है। इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट 2023 के मद्देनजर लॉन्च की गई इस नई योजना के तहत 05 सालों में प्रदेश सरकार 18626.50 लाख रूपये खर्च कर रही है। इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है मिलेट की खेती को बढ़ावा देते हुए क्षेत्राच्छादन, उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाते हुए किसानों की आय में भी इजाफा करने के लिए वैल्यू एडीशन और मार्केटिंग के जरिए मिलेट को आम जनता की थाली तक पहुंचाना है, जिससे उन्हें संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम नामक यह नई योजना वर्ष 2022-23 से वर्ष 2026-27 तक संचालित की जा रही है। कार्यक्रम क्रियान्वयन की इस अवधि में 18626.50 लाख रुपये का अनुमानित खर्च आंकलित है, जिसे राज्य सरकार वहन कर रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मिलेट्स को द्यश्री अन्ननाम देते हुए अधिक से अधिक लोगों को खाद्यान्न में अपनाने पर बल दिया है। केन्द्र सरकार द्वारा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के तहत मिलेट्स के उपभोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (इण्टरनेशनल ईयर आफ मिलेट्स) के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया था। प्रदेश सरकार ने प्रदेश में संचालित प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन (एग्रीजंक्शन) योजना को अगले 5 साल के लिए संचालित करने के प्रस्ताव को अनुमति प्रदान कर दी है। कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की सेवाओं का उपयोग कर कृषि सेक्टर में रोजगार सृजन को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई है।

सरकार ने औद्योगिक भूमि की आवश्यकता को सुनिश्चित कराने के लिये निजी औद्योगिक पार्क के विकास की योजना के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान कर दी है। इसे निजी प्रवर्तक के द्वारा बिल्ड ओन आपरेट (बीओओ) के आधार पर संचालित किया जाएगा। एमएसएमई इकाईयों के द्वारा कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार का सृजन कियां जाता है। वर्तमान में प्रदेश में ऐसी 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जिन्हें और अधिक बढ़ाया जा रहा हैं। निजी औद्योगिक पार्क के भू-खण्डों के आवंटन, संचालन तथा मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के रख-रखाव का सम्पूर्ण दायित्व निजी प्रवर्तक का होगा। योजना के अन्तर्गत निजी प्रवर्तकों द्वारा 10 एकड से 50 एकड़ तक की भूमि पर औद्योगिक पार्क विकसित करने का प्रस्ताव भूमि के स्वामित्व के कागजात एवं आगणन सहित जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र को उपलब्ध कराया जाएगा। चयनित भूमि का भू उपयोग औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिये होना चाहिए। इनमें मिलेट्स इकाइयां भी स्थापित होगी।

इच्छुक नागरिक योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर लाभ प्राप्त कर सकते है। योजना में आवेदन करने के लिए पात्रताओं में जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हो और किसान के पास 20 हेक्टेयर की जमीन होनी चाहिए। जिसमें वह मोटे अनाज का उत्पादन कर सके। जो भी आवेदक इस पोर्टल पर आवेदन करेगा उसका एफ.पी.ओ पंजीकृत और ग्रेडिंग पास होना जरुरी है। किसान के पास कृषक उत्पादन संगठन करीब दो साल पुराना होना चाहिए। एफ. पी.ओ में करीब 300 शेयर तथा एक साल का टर्न ओवर लगभग दस लाख तक होना चाहिए। किसान को फसल के बीज का

उत्पादन करने या मिलेटस बीज तथा विवरण द्र×श्चद्दह्लद्दद्गठ्ठष्ठ्र होना चाहिए, जिससे की यह आसानी से मोटे बीजों का उत्पादन कर सके।

उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 2,47000 बीज मिनी किट निःशुल्क वितरित किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 554 किसानों को प्रशिक्षण 62 बीज उत्पादन पर एफ0पी0ओ0 का प्रशिक्षण, 2646ग्राम पंचायतों पर किसान पाठशाला का आयोजन एवं 34 एक्सपोजर विजिट आदि कार्यक्रम कराये गये। प्रदेश में 20 मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह वितरण केन्द्र की स्थापना की जा रही है। 45 एफ0पी0ओ0 को सीड मनी के रूप में रू0 180 लाख का अनुदान दिये जाने की व्यवस्था की गई है। 10 कृषि विश्वविद्यालय/कृषि विज्ञान केन्द्रों को रू0 950.00 लाख अनुदान तथा मिलेट्स अनुसंधान एवं नवाचार हेतु उपकार को 233 लाख अनुदान उपलब्ध कराया गया है। 20 मोबाइल 33 आउटलेट एवं 23 मिलेट्स स्टोर की स्थापना भी की जा रही है।

प्रदेश सरकार ने 31 दिसंबर, 2024 तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मक्का, बाजरा और ज्वार की खरीद की है। इसके लिए कैबिनेट ने मोटे अनाज क्रय नीति को मंजूरी दे दी है। प्रदेश में किसानों से मक्का 2225 रूपये प्रति क्विंटल, बाजरा 2625 रूपये प्रति क्विंटल, ज्वार (हाइब्रिड) 3371 रूपये प्रति क्विंटल और ज्वार (मालदांडी) 3421 रूपये प्रति क्विंटल की दर से मक्का की खरीद की गई।

संक्षिप्त ख़बरें

नैनी में राजनीतिक पार्टियों के रंग में रंगा शराब की दुकानों का बोर्ड!

प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र में मार्च बाद खुली कंपोजिट शराब की दुकानों का बोर्ड राजनीतिक पार्टियों के रंग में रंगा हुआ है। बीपीसी के पास कंपोजिट शराब की दुकान पर जो बोर्ड लगा हुआ है वह भारतीय जनता पार्टी के रंग में रंगा हुआ है तो वहीं नैनी में डेज मेडिकल चौराहे के पास कंपोजिट शराब की दुकान का बोर्ड समाजवादी पार्टी के रंग में रंगा हुआ है।स्थानीय लोगों ने बताया कि शाम होते ही शराबियों का जमघट लग जाता है। ऐसे में शराब के नशे में लोग बोर्ड को लेकर राजनीतिक चर्चे में कभी-कभी झगड़े पर आमादा हो जाते हैं। चर्चा का विषय यह रहा कि बोर्ड बनवाते समय जिम्मेदार जानबूझकर राजनीतिक पार्टियों के रंग में शराब की दुकान का बोर्ड बनवाकर लगवा दिए हैं। लोगों का कहना है कि यह ठीक नहीं है।

सड़क किनारे मिला राष्ट्रीय पक्षी मोर का शव, मचा हड़कंप

प्रयागराज। फतेहपुर जनपद के थरियांव क्षेत्र में आज सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब राष्ट्रीय पक्षी मोर का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। यह दिल दहला देने वाली घटना हसवा चौकी से चंद कदमों की दूरी पर घटी, जहां ग्रामीणों ने सबसे पहले मृत मोर को देखा और तुरंत सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूत्रों के अनुसार, मोर की मौत संभवतः किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई प्रतीत हो रही है, हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। राष्ट्रीय पक्षी मोर की रहस्यमयी मौत को लेकर वन विभाग व प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं। क्या यह एक हादसा है या किसी की लापरवाही का नतीजा – यह जांच का विषय बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों में घटना को लेकर आक्रोश है और राष्ट्रीय प्रतीक जीव की मौत को गंभीर लापरवाही बताया जा रहा है।

नेहरू की बहन के परिवार की हवेली और जमीन का फर्जी बैनामा

● स्वीडन से आकर मालिक ने शिकायत दर्ज कराई

स्वतंत्र प्रभात

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की बहन विजय लक्ष्मी पंडित के नाती और अप्रवासी भारतीय गोपाल किशन के आगरा स्थित परिवार की हवेली और जमीन का फर्जी बैनामा करने का मामला सामने आया है. आरोप है कि चारसू गेट स्थित पैतृक हवेली की भूमि का कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से बैनामा करा कुछ हिस्से में निर्माण भी करा लिया है. जब गोपाल किशन दर और उनकी पत्नी आगरा आए तो पूरे प्रकरण की जानकारी डीसीपी सिटी सोनम कुमार को दी. डीसीपी सिटी ने प्रार्थना पत्र पर हरिपर्वत थाना पुलिस को जांच के आदेश दिए हैं।

बता दें कि, स्वीडन निवासी अप्रवासी भारतीय गोपाल किशन दर अपनी पत्नी प्रीता सिंह के साथ आगरा आए हैं. दंपती बीते दिनों पुलिस अफसरों से मिले और शिकायत दी. जिसमें उन्होंने लिखा है कि उनके दादाजी अवतार किशन दर की पैतृक हवेली चारसू गेट में है. पुरानी हवेली के अलावा आसपास की तीन हजार वर्ग गज जमीन है. जिसकी कीमत करोड़ों में हैं. हवेली में बरसों पुराने 14 किरायेदार रहते हैं. जिनकी तीसरी पीढ़ी हवेली में रह रही है. जो हमारे परिवार को ही किराए देते आ रहे हैं।

गोपाल किशन ने डीसीपी सिटी सोनम कुमार को बताया कि कृष्णा आश्रम चारसू गेट में पिता अवतार किशन दर और चाचा स्वरूप किशन दर के नाम करीब 6 हजार वर्ग गज पैतृक जमीन है। जमीन तीन हिस्सों में है. पिता अवतार सिंह की वे और बहन ज्योति दो संतानें हैं. जबकि, चाचा स्वरूप किशन के बेटे माधव किशन दर, हरि किशन दर व बेटी अपर्णा दर हैं. हमारी इस जमीन का अभी तक कोई बंटवारा नहीं हुआ है. न ही किसी ने अपनी जमीन किसी को बेची है।

गोपाल किशन का आरोप है कि दो पूर्व

पार्षदों ने इसमें से कुछ जमीन का बैनामा करा लिया है. ये बैनामा एक महिला ने किया है. जिसका नाम उषा दर है. उषा हमारे परिवार की सदस्य ही नहीं है. कूटरचित दस्तावेजों से बैनामा कराए गए हैं. जमीन कब्जाने में कई लोग शामिल हैं. इतना ही नहीं, आरोपियों ने जमीन के कुछ हिस्से में जबरन निर्माण कार्य कराने का काम कर रहे हैं. डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर हरिपर्वत थाना पुलिस को मामले की जांच दी है। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बहन विजय लक्ष्मी पंडित संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष रही हैं. उनकी तीन बेटियों में सबसे छोटी रीता दर थीं. रीता दर की शादी आगरा निवासी अवतार किशन दर से हुई थी. रीता दर के बेटे गोपाल किशन दर हैं। गोपाल किशन ने पुलिस को बताया कि पैतृक हवेली और जमीनों पर लगभग 70 साल से 14 परिवार किराए पर रह रहे हैं. किराएदार परिवारों को भी भू-माफिया परेशान कर रहे हैं. जिससे किराएदार भाग जाएं।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया और राहुल गांधी को नोटिस, अब 8 मई को अगली सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात

दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मनी लाउंड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत दूसरे आरोपियों को नोटिस जारी किया है. स्पेशल जज विशाल गोगने ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत सात आरोपियों को 8 मई को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया. इस मामले में कोर्ट ने 25 अप्रैल को आरोपियों को नोटिस जारी करने से फिलहाल इनकार कर दिया था. साथ ही कोर्ट ने ईडी से और अधिक प्रासंगिक दस्तावेज पेश करने का निर्देश दिया था. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि ईडी की शिकायत में कुछ दस्तावेज नहीं हैं. ईडी पहले उन दस्तावेजों को दाखिल करे इसके बाद ही समन जारी करने पर फैसला किया जाएगा. कोर्ट ने कहा था कि आरोपियों का पक्ष सुने बिना हम नोटिस जारी नहीं कर सकते. बता दें कि, ईडी ने 15 अप्रैल को कोर्ट में अभियोजन शिकायत दाखिल की थी. ईडी ने इस मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे को आरोपी बनाया है. ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग कानून की धारा 44 और 45 के तहत शिकायत दाखिल की है।

इस मामले में शिकायतकर्ता सुब्रह्मण्यम स्वामी का आरोप है कि दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 16 सौ करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए साजिश के तहत यंग इंडियन लिमिटेड को एजेएल की संपत्ति का अधिकार दिया गया. उनका कहना है कि हेराल्ड हाउस को केंद्र सरकार ने समाचार पत्र चलाने के लिए जमीन दी थी, इस लिहाज से उसे व्यावसायिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता. वहीं गांधी परिवार की तरफ से दलील दी गई थी कि उन्हें बेवजह प्रताड़ित करने के मकसद से अदालत के समक्ष याचिका लगाई गई है।

संभल में 51 लाख की बीमा राशि हड़पने के लिए दिव्यांग का मर्डर, एक साल बाद ऐसे हुआ खुलासा

स्वतंत्र प्रभात

संभल जिले में एक दिलदहला देने वाली घटना सामने आई है जहां बीमा राशि 50 का क्लेम हड़पने के लिए एक दलित दिव्यांग का मर्डर करा दिया. इस रकम को पाने के लिए आरोपियों ने पहले तो दिव्यांग को गाड़ी से कुचलवाया और जब उसकी मौत नहीं हुई तो हथौड़े से सिर पर कई बार करवाए. कातिल ने दिव्यांग की मौत होने की खबर रोड एक्सीडेंट दिखाते हुए थाने में मुकदमा भी दर्ज करा दिया। वारदात के 9 महीने बाद पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब मृतक के नाम बीमा की राशि क्लेम के लिए इंश्योरेंस कंपनी पहुंची। पुलिस ने स्नक्रलग चुके इस मामले को री-ओपन किया तो वह भी हक्का-बक्का रह गई. पुलिस ने अब इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर खुलासा किया है।

बता दें कि बीते साल 1 अगस्त 2024 को चंदौसी कोतवाली में सड़क हादसे की एक स्नढ्ढक्रदर्ज कराई गई थी। ये FIR बिसौली थाना क्षेत्र के गांव ढिलवारी निवासी राजेंद्र नाम के शख्स ने दर्ज कराई थी. स्नढ्ढक्र के मुताबिक राजेंद्र ने बताया था कि उसके भाई दरियाब जाटव को चंदौसी के सैनिक चौराहा से आटा की तरफ जाने वाले मार्ग पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिस वजह से उसकी मौत हो गई हालांकि पुलिस ने इस मामले में डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया था. इसके बाद पुलिस ने मामले को सड़क हादसा मानकर फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी. लेकिन अब इस मामले में एक नया मोड़ आ गया, पुलिस ने दरियाब जाटव की सड़क हादसे में मौत की फाइल को दोबारा ओपन किया तो उनके होश उड़ गए. गहराई से हुई इसकी जांच हुई तो परत दर परत खुलते चले गए।

संभल स्क्र कृष्ण कुमार विश्नोई के मुताबिक पिछले साल अगस्त के महीने में एक विकलांग व्यक्ति के सिर पर हथौड़े से वार कर बाद में उस पर गाड़ी चढ़ा दी गई थी. मृतक के परिजनों की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा लिखवाया गया था. 4 महीने बाद पुलिस की ओर से साक्ष्य

ना मिलने के अभाव में दिसंबर माह में उस पर स्नक्रलगा दी गई. पुलिस को जब से घटना के पीछे बीमा माफिया के हाथ होने का खुलासा हुआ है. पुलिस को इस मामले में बीमा कंपनी टाटा आईएनएसए की ओर से एक इनपुट दी गई. जिसमें बताया गया कि इस तरह के केस में क्लेम मांगा जा रहा है, ये थोड़ा संदिग्ध लग रहा है. इसको पुलिस की ओर से देखा जाए।

एएसपी अनुकृति शर्मा और उनकी टीम की ओर से इसको रिव्यू किया गया तब पता चला कि जिस व्यक्ति की डेथ हुई है वो शख्स विकलांग है, उसकी रात को 10.00 बजे डेथ होना बताया गया जो अपने घर से 27 किलोमीटर दूर चल कर जा भी नहीं सकता. जबकी उसको चलते हुए जाना बताया गया। इस तरह की कई चीजें संदिग्ध लगने पर पुलिस को जिन लोगों पर शक था प्रॉपर तरीके से जब उनसे पूछताछ की गई. तब इस घटना का खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक दरियाब नाम के व्यक्ति पर इन लोगों ने 2023 सितंबर - अक्टूबर से बीमा करवाने शुरू किए थे. हरिओम और विनोद नाम के दो सगे भाई हैं इन लोगों को पैसे की आवश्यकता थी तो इन लोगों ने पंकज राघव नाम के व्यक्ति जो कि एक्सिस बैंक में मेक्स लाइफ का बीमा एजेंट है उसके द्वारा इनको बताया गया कि किस तरह से मरणासन्न व्यक्ति है या कोई पेशेंट है उसका बीमा कराए और आपको जल्दी ही बहुत बड़ी राशि मिल जाएगी. आपको लोन लेने की आवश्यकता नहीं है।

बीमा एजेंट के बताने के बाद हरिओम नाम के व्यक्ति की ओर से दरियाब नाम के व्यक्ति की डिटेल दी गई इनके द्वारा करीब 1 साल तक तमाम प्रकार के बीमे कराए गए और 1 साल बाद इस व्यक्ति को मौत के घाट उतार दिया गया. मौत के घाट उतारने के लिए इन व्यक्तियों की ओर से प्रताप नाम के व्यक्ति जो कि पूर्व से ही सजायाफ्ता था. उस व्यक्ति को 50 हजार में गाड़ी करने के लिए स्कीम में उसको ठेका दिया था. उस व्यक्ति ने समय अनुसार रात्रि 10.00 बजे पहले दरिया को विनोद की ओर से हथौड़े से सिर पर वार करवाया गया था. फिर उस पर गाड़ी चलाकर उसको मारा गया.

दरियाब की मौत के बाद 50,68,000 रुपए के कुल बीमे में से इन लोगों ने 15,68,000 रुपए पहले ही इन्होंने हड़प लिए थे. बाकी राशि उनको नहीं मिल पाई थी. पुलिस की ओर से जब इसमें गहनता से जांच पड़ताल की गई ये बहुत ही सनसनीखेज खुलासा है. इसमें अभी तक दो दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है. इस खुलासे को अंजाम देने वाली टीम को उन्होंने 25 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है।

तीन सदस्यीय टीम करेगी प्रसूता के मौत की जांच

सिद्धार्थनगर। शहर में स्थित अल सहारा अस्पताल में मोहाना थाना क्षेत्र के हरिदासपुर गांव की रहने वाली 24 वर्षीय मरियम को प्रसव के लिए परिजनों ने भर्ती कराया. परिजनों की माने तो डॉ कहकशां खान ने मरियम का ऑपरेशन करते समय कुछ पेट मे छूट जाने के चलते तुरंत दुबारा आपरेशन किया गया.जिससे उसकी हालत बिगड़ गई. गंभीर हालत को देखते हुए अल सहारा अस्पताल की डॉ ने रेफर कर दिया। और कहा कि गोरखपुर के आनन्दलोक हॉस्पिटल ले जाओ. जिसके बाद परिजन मरियम को लेकर गोरखपुर के अस्पताल में पहुँचे. जंहा डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. जिसके बाद परिजन मरियम का शव लेकर घर चले गये.इस मामले को लेकर ज़ब मीडिया के लोगों ने अल सहारा अस्पताल की डॉ कहकशां खान से बात करने की कोशिश की तो वह सॉरी कह कर चली गई। इस मामले को लेकर जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर ने मरियम मामले मे वायरल वीडिओ के आधार पर 3 सदस्यीय टीम गठित कर दी गई है। गठित जांच टीम द्वारा जाँच के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

हिंसा और नफरत की बुनियाद पर बैठा पाकिस्तान

पाकिस्तान के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह

किसी बात से असहमत होना और उसका हिंसात्मक विरोध करना दोनों अलग-अलग पहलू है। पर पाकिस्तान ऐसा देश है जिसकी पैदाइश ही नफरत और हिंसा के आधार पर हुई है। स्वतंत्रता के बाद जिन्ना ने पाकिस्तान में आतंकवाद का बीज बोया था। पाकिस्तान का यह बड़ा दुर्भाग्य रहा है कि वहां 18 निर्वाचित प्रधानमंत्री में से किसी एक प्रधानमंत्री ने भी अपना पूरा 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया। वहां मिलिट्री सत्ता ने हीं स्वतंत्रता के बाद पूरे 76 साल अपनी हुकूमत रखी और भारत के साथ नफरत करके लगातार तीन युद्ध हारा, अभी पाकिस्तान में हालात ये हैं कि उसके पास पीने के लिए पानी नहीं खाने के लिए रोटी दाल आटा भी नहीं है पेट्रोल डीजल और बिजली के दाम आसमान छूने लगे हैं पूरा देश कंगाली के दौर पर गुजर रहा है और इसके बाद भी वह आतंकवादियों का पोषक बना हुआ है और लगातार पूरे विश्व में पाकिस्तान के समर्थित आतंकवादी विध्वंस का काम कर रहे हैं। पहलगाम में आतंकवादियों ने 27 निर्दोष भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या कर भारत सरकार एवं भारत के नागरिकों को उद्वेलित कर दिया अब भारत पाकिस्तान को समूल नष्ट करने की विचारधारा पर आ गया है किसी भी हाल में भारत सरकार और देश के नागरिक पाकिस्तान को बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं हैं। वर्तमान में पाकिस्तान के अस्तित्व पर संकट छा गया और उसका भविष्य खतरे में आ गया पाकिस्तान अपने आतंकवादियों के साथ नष्ट होने के कगार पर पहुंच चुका है। पूरा विश्व पाकिस्तान के विरोध में भारत के साथ खड़ा होकर भारत का समर्थन कर रहा हैद्य अब शायद पाकिस्तान और आतंकवाद का बचना लगभग नामुमकिन है विचारों से असहमति और विरोध का सबसे क्रूर और हिंसात्मक ताजा ताजा परिणाम फिलिस्तीन इजरायल युद्ध के रूप में सामने आया है जिसमें 30,000 लोगों की जान चली गई11और 50,000 लोगों से ज्यादा घायल मानव शरीर कराह रहे हैं, दूसरी तरफ रूस यूक्रेन युद्ध ने दोनों देशों के लाखों लोगों को बेघर कर दिया है और हजारों लोगों की जान चली गई है। आखिर मानवता को क्या हो गया है इंसान इंसान का इतना बड़ा दुश्मन कैसे बन गया है। लोग एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए हैं। वैश्विक शांति में खलबली मच गई है। धरती विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भारत जैसे देश को भी सावधान और सतर्क हो जाना चाहिए उसके परंपरागत शत्रु चीन और पाकिस्तान भी हमेशा भारत की सीमा में घात लगाए बैठे रहते हैं और आक्रमण का खतरा भी सदैव बना रहता है। आइये भारत पर एक रचनात्मक विश्लेषण करते हैं

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंद्य देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षो को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी।

आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

पत्रकारिता- एक मशाल, एक मिशन, एक मर्सिया

सत्ता कांपे जब स्याही बहे—यही है सच्ची पत्रकारिता

एक कलम, कुछ शब्द, और सत्य की ताकत–यह वह हथियार है जो सत्ता के तख्त को हिला सकता है। लेकिन इस हथियार की कीमत क्या है? कभी-कभी स्याही, और कभी-कभी खून। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस, जो हर 3 मई को आता है, केवल एक तारीख नहीं है। यह एक चीख है–उन पत्रकारों की, जिन्होंने सच के लिए अपनी जान दी। यह एक चुनौती है–उन सत्ताओं को, जो सवालों से डरती हैं। और सबसे बढ़कर, यह एक आह्वान है–हर उस इंसान के लिए, जो सच सुनना, सवाल पूछना, और न्याय की उम्मीद करना चाहता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब सत्ता स्याही से डरने लगे, तो समझ लीजिए कि कलम सही रास्ते पर है। लेकिन यह रास्ता सिर्फ कागज पर नहीं लिखा जाता–यह धमकियों, मुकदमों, सेंसरशिप, और खून से तर रास्तों से होकर गुजरता है। पत्रकारिता कोई नौकरी नहीं, एक जंग है। यह जंग सच और झूठ के बीच, सत्ता और जनता के बीच, अंधेरे और रोशनी के बीच लड़ी जाती है। जब कोई पत्रकार युद्ध के मैदान से, भ्रष्टाचार की काली गलियों से, या वंचित गांवों की अनसुनी कहानियों को दुनिया के सामने लाता है, वह सिर्फ खबर नहीं लिखता। वह इतिहास के पन्नों पर सत्य को अमर करता है। वह उन आवाजों को बुलंद करता है, जो सत्ता के शोर में खो जाती हैं। लेकिन इस साहस की कीमत भारी है। 2024 में, रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में 60 से अधिक पत्रकारों को उनके काम के लिए मार दिया गया, और 500 से ज्यादा जेल में बंद हैं। ये आंकड़े सिर्फ संख्याएं नहीं, बल्कि उन सपनों की चीत्कार हैं, जो सच के लिए कुचल दिए गए। फिर भी, ये पत्रकार अपनी कलम को तलवार बनाकर लड़ते हैं, ताकि हम एक लोकतांत्रिक समाज में सांस ले सकें।

प्रेस की आज़ादी कोई स्थायी खजाना नहीं, जिसे एक बार हासिल कर लिया तो हमेशा सुरक्षित रहे। यह एक नाजुक धागा है, जो सत्ता के एक झटके से टूट सकता है। जब सरकारें आलोचना को देशद्रोह मानने लगें, जब राष्ट्रवाद का नकाब सवाल उठाने वालों को चुप कराने के लिए इस्तेमाल हो, तब प्रेस स्वतंत्रता एक नारा नहीं, बल्कि एक क्रांति बन जाती है। यह क्रांति ज़रूरी है। क्योंकि जब सत्ता निरंकुश हो, तो एक स्वतंत्र प्रेस ही जनता की आखिरी उम्मीद होती है। भारत जैसे देश में, जहां लोकतंत्र की जड़ें गहरी हैं, वहां भी यह आज़ादी खतरे में है। पत्रकारों पर "राष्ट्रविरोधी" ट्वीट्स के लिए केस, डिजिटल मीडिया पर निगरानी, और ट्रोल आर्मी के हमले–ये सब प्रेस की सांसों को घोटने की साजिशें हैं। फिर भी, कुछ निडर पत्रकार अपनी आवाज़ को बुलंद रखते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि उनकी चुप्पी कई पीढ़ियों को गूंगा बना सकती है। आज का दौर सिर्फ कागज की पत्रकारिता का नहीं। डिजिटल क्रांति ने प्रेस की पहुंच को बढ़ाया है, लेकिन खतरों को भी कई गुना कर दिया है। एक ट्वीट को "राष्ट्रविरोधी" करार देना, एक पोस्ट को सेंसर करना, या एक पत्रकार को ऑनलाइन धमकियां देना–यह सब अब चंद सेकंड का खेल है। साइबर हमले, डेटा चोरी, और डिजिटल निगरानी पत्रकारों के लिए नई जंजीरें हैं। लेकिन यही डिजिटल मंच वह ताकत भी है, जहां सत्य की आवाज़ें गूंज रही हैं। स्वतंत्र पत्रकार, ब्लॉगर, और नागरिक पत्रकारिता ने दिखाया है कि सत्य को जंजीरों में नहीं बांधा जा सकता। फिर भी, इस आज़ादी को बचाने की ज़िम्मेदारी सिर्फ पत्रकारों की नहीं, हमारी भी है। क्योंकि जब प्रेस चुप होता है, तो समाज की आत्मा भी मौन हो जाती है।

सोचिए, अगर अखबार सिर्फ सत्ता के गुणगान छापें, न्यूज़ चैनल सरकार की कठपुतली बन जाएं, और सोशल मीडिया पर सेंसरशिप की तलवार लटके, तो सच्चाई कहां बचेगी? ऐसी दुनिया में हमारी आवाज़ें गुलाम हो जाएंगी। इसलिए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस सिर्फ पत्रकारों का दिन नहीं। यह हर उस इंसान का दिन है, जो सच जानना चाहता है, जो सवाल पूछना चाहता है, जो अन्याय के खिलाफ खड़ा होना चाहता है। यह दिन हमें यह सिखाता है कि प्रेस की आज़ादी हमारी अपनी आज़ादी है। इसे बचाना हमारा धर्म है। पत्रकारिता का साहस सिर्फ जेल की सलाखों या बंदूक की नोक पर ही नहीं दिखता। यह उस छोटे से न्यूज़रूम में भी चमकता है, जहां एक युवा पत्रकार अपनी पहली स्टोरी लिखते वक्त सोचता है कि क्या यह सच बोलने लायक है। यह उस स्वतंत्र पत्रकार की हिम्मत में झलकता है, जो बिना किसी बड़े मीडिया हाउस के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करता है। यह उस महिला पत्रकार की आवाज़ में गूंजता है, जो लैंगिक हिंसा की कहानियों को सामने लाती है, भले ही उसे ऑनलाइन गालियों और धमकियों का सामना करना पड़े। ये लोग हमारे समाज के असली सिपाही हैं। इनकी कलम हमारी मशाल है।

इसलिए, इस 3 मई को हम सिर्फ प्रेस की आज़ादी की बात न करें। हम उस दुनिया की बात करें, जहां सच बोलना अपराध नहीं, बल्कि गर्व की बात हो। हमें उन नीतियों की मांग करनी चाहिए, जो पत्रकारों को बिना डर के काम करने की आज़ादी दें। हमें उन कानूनों का विरोध करना चाहिए, जो सवालों को कुचलने की कोशिश करते हैं। हमें उन मंचों को मज़बूत करना चाहिए, जो स्वतंत्र पत्रकारिता को पंख देते हैं। और सबसे ज़रूरी, हमें खुद को जागरूक करना चाहिए–ताकि हम झूठ और सच का फर्क समझ सकें। प्रेस की आज़ादी की लड़ाई कोई एक दिन का उत्सव नहीं। यह एक अनवरत युद्ध है, जो तब तक लड़ा जाएगा, जब तक आखिरी सवाल पूछने वाला ज़िंदा है। यह लड़ाई सिर्फ पत्रकारों की नहीं, हम सबकी है। क्योंकि एक निडर कलम ही वह ज्योति है, जो अंधेरे में रास्ता दिखाती है। इस विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर हम कसम खाएं–हम सत्य के साथ खड़े होंगे, हम सवाल पूछेंगे, और हम उस समाज को बनाएंगे, जहां सच की आवाज़ को कभी दबाया न जा सके। क्योंकि जब तक कलम चलती है, लोकतंत्र की धड़कनें थमती नहीं।

प्रो. आरके जैन

छोटी-छोटी चीजों पर खुश होना और आभार जताने से बढ़ती है उम्र

हम सभी के पास हमेशा कोई न कोई छोटी-छोटी खुशियां होती है परंतु ज्यादातर लोग बड़ी खुशियों के इंतजार में जीवन का लंबा वक्त बर्बाद कर देते हैं और इस बात की गारंटी भी नहीं होती है कि बड़ी खुशी आपको मिल ही जाएगी। जीवन के सफर में थोड़ा पीछे चल कर देखें तो हमें साइकिल या बाइक चलाने नहीं आता था। सीखने के पहले कितने उत्साहित होते थे। जब चलाना सीख लिया तो कुछ समय के लिए खुश होकर भूल गए। यह हमारी उपलब्धियों में से एक है। हमें ऐसे पल को याद करके खुश होना चाहिए। हम प्रतिदिन मेट्रो या ट्रेन या बस से ड्यूटी जाते हैं। अक्सर भीड़ होती है। हमें एक सीट मिल जाए तो यह भी खुशी की बात होती है। रिलैक्स महसूस करते हैं। ट्रेन में एक कंफर्म सीट लेने के लिए लाखों लोग प्रतिदिन प्रयास करते हैं। जब कंफर्म सीट मिल जाती है और सफर आसानी से कट रही होती है तो यह कितनी खुशी की बात होती है। हमें ऐसी छोटी-छोटी खुशियों के लिए आभार व्यक्त करना चाहिए, जिससे यह खुशी मिलती है। ऐसी छोटी-छोटी खुशियां कुछ न कुछ रोज हम सभी को निश्चित मिलती है पर हम लोग इस बात को खुशी का विषय नहीं मानते हैं क्योंकि हमने ऐसी छोटी-छोटी बातों पर खुश होना सीखा ही नहीं। हाल ही में अमेरिका में हुए एक शोध में यह दावा किया गया है कि छोटी-छोटी बातों पर खुश होना और इसके लिए आभार व्यक्त करना, व्यक्ति को अधिक आशावादी बनाता है और उसकी सकारात्मक सोच का संकेत देता है। आभार और अच्छी जिन्दगी के आपसी संबंध पर ईस्टर्न वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉक्टर फिलिप वॉटकिंस ने कहा है कि नकारात्मकता की तुलना में सकारात्मक भावनाओं से स्वास्थ्य बेहतर होता है।

इसी विषय के अध्ययन के क्रम में वरिष्ठ लेखक बोस्टन के हार्वर्ड टी. एच. चान. स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के प्रोफेसर फ्रांसिस लेहमैन लोएब ने बताया कि छोटी-छोटी खुशियों के लिए आभारी होना या कृतज्ञ होना इंसान को सशक्त बनाता है। यह डिप्रेशन को पास फटकने नहीं देता है, फलस्वरूप इंसान खुश रहता है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में माना है कि यह इतना आसान है कि इसे हर कोई अपनी आदतों में शुमार कर सकता है। अध्ययन में यह भी पता चला है कि जो लोग छोटी-छोटी चीजों पर खुश होते रहते हैं और इसके प्रति आभार व्यक्त करते रहते हैं, तो उनकी जिन्दगी लंबी होती है। शोधकर्ताओं ने अमेरिका में इसके लिए सर्वे किया। करीब 50 हजार नर्स को अपने अध्ययन में शामिल किया। इनकी औसत उम्र 79 वर्ष थी। उनसे आभार व्यक्त करने और कृतज्ञता पर सवाल किए गए थे। उनसे पूछा गया कि वे इस तरह के वाक्य पर कितना सहमत है। सर्वे में पाया गया कि उनकी जिन्दगी में बहुत कुछ है जिसके लिए वे आभारी है। फाइनली यह पाया गया कि 9 प्रतिशत मृत्यु का जोखिम कम हो जाता है। हम दिन की शुरुआत चाय या कॉफी से करते हैं।चाय या कॉफी देने वाले को सिर्फ शुक्रिया कह देने से काम नहीं चलेगा। हमें शुक्रिया के साथ-साथ उनका विशेष आभार इस तरह व्यक्त करना चाहिए कि आपकी इस चाय या कॉफी के साथ मैं दिन का काम आसानी से कर सकूंगा। ऐसा विशेष आभार व्यक्त करना हमारे सेहत के लिए और लंबी जिन्दगी के लिए लाभदायक है। ऐसा करना सच में कितना आसान है। हमें बस इसकी आदत डालनी चाहिए।

हमें ऐसे लोगों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करना चाहिए जिनका हमारी जिन्दगी में कोई रोल नहीं है क्योंकि वे ऐसे लोग हैं जो हमें किसी प्रकार से डिस्टर्ब नहीं करते हैं। हमेशा याद रखें, डिस्टर्ब करने वाले, जलने वाले, नफरत करने वाले, हमारे खिलाफ साजिश करने वाले लोगों से लाख गुना बेहतर है हमारे लिए कुछ न करने वाले लोग। ऐसे लोग अप्रत्यक्ष तरीके से हमारी मदद ही कर रहे होते हैं। हमें अपनी जिन्दगी में प्रकृति के उन तत्वों के प्रति भी आभार व्यक्त करना चाहिए जो हमें मुफ्त में मिल जाती है जैसे हवा, पानी, पक्षियों की चहचहाहट आदि। अगला पल हमारी जिन्दगी में कैसा होगा यह कोई नहीं जानता है। हमारी किस्मत अच्छी होगी या बुरी किसी को नहीं मालूम। हमारी वर्तमान बुरी स्थिति हमेशा बहुत बुरी स्थिति से अच्छी होती है। इस दुनिया में प्रतिदिन हजारों लोग रात में सोते हैं और सुबह कभी नहीं जागते हैं। उनकी मृत्यु हो जाती है। जरा सोचिए, हम लोग कितने खुशनसीब हैं कि रात में सोते हैं और सुबह सफलतापूर्वक जाग जाते हैं। हम लोगों में से ऐसे कितने लोग हैं जो ईश्वर या कुदरत के प्रति प्रतिदिन आभार व्यक्त करते हैं। क्या यह खुशी क्या विषय नहीं है?

कृष्ण कुमार

"नाइजर अपहरण- मजदूरों का विदेश पलायन और आर्थिक मजबूरी"

25 अप्रैल 2025 को नाइजर के तिलाबेरी में पांच भारतीय मजदूरों के अपहरण की खबर ने देश को झकझोर दिया। ये मजदूर गरीब, अशिक्षित, और अपने परिवारों के एकमात्र कमाने वाले झारखंड के छोटे से गांव से हजारों किलोमीटर दूर, अनजान धरती पर काम करने गए थे। लेकिन यह कहानी सिर्फ अपहरण की नहीं है। यह उन लाखों भारतीय मजदूरों की कहानी है, जो गरीबी और बेरोजगारी से तंग आकर अपने वतन को छोड़कर अनिश्चितता की राह पर चल पड़ते हैं। देश की आजादी के 77 साल बाद भी रोजी-रोटी के लिए लोगो का देश से पलायन दुर्भाग्यपूर्ण है। मजदूरों के विदेश में कमाने के लिए कुछ मुख्य कारण हैं- 1. गरीबी की चक्की में पिसता मजदूर- भारत में 38.9% आबादी (लगभग 87 मिलियन लोग, 2023 के आंकड़े) गरीबी रेखा से नीचे रहती है। बिहार, झारखंड और मेघालय जैसे राज्यों में यह स्थिति और विकट है, जहां ग्रामीण परिवारों के पास न स्थायी रोजगार है, न पर्याप्त आय। एक मजदूर की दिहाड़ी देश में 783 से 1035 प्रतिदिन है, वही बिहार- झारखंड जैसे पिछड़े राज्यों में 424 से 654 है, जो बढ़ती महंगाई और परिवार की जरूरतों के सामने बौनी पड़ती है। दूसरी ओर, नाइजर जैसे देशों में वही मजदूर 1500-3000 कमा सकता है। यह अंतर सिर्फ आंकड़ों का नहीं, बल्कि बच्चों की स्कूल फीस, मां की दवा, और बहन की शादी जैसे सपनों का है। लेकिन यह आय आसान नहीं आती। विदेशों में मजदूरों को अमानवीय परिस्थितियों, शोषण, और खतरों का सामना करना पड़ता है। नाइजर जैसे अशांत क्षेत्रों में आतंकी हमले और अपहरण आम हैं। फिर भी, मजदूर जाते हैं, क्योंकि उनके पास कोई और रास्ता नहीं। गरीबी सिर्फ पेट की भूख नहीं, यह सपनों को कुचलने वाली ताकत है, जो मजदूरों को अनजान मुल्कों में धकेल देती है। 2. पलायन के ऐतिहासिक और सामाजिक कारण- भारत का ग्रामीण अर्थतंत्र दशकों से उपेक्षा का शिकार रहा है। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में "धन निष्कासन" ने स्थानीय उद्योगों को नष्ट किया, और स्वतंत्रता के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिकीकरण और विकास की गति धीमा रहा। कृषि, जो 70% ग्रामीण आबादी का आधार है, मौसम की अनिश्चितता और बाजार की मार से जूझती है। शिक्षा की कमी इस समस्या को और गहरा करती है। बिहार, झारखंड जैसे पिछड़े राज्यों की साक्षरता दर बहुत कम है, और ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी कौशल का अभाव है। नतीजा? मजदूरों के पास शारीरिक श्रम के अलावा कोई विकल्प नहीं। सामाजिक नेटवर्क और मध्यस्थ (एजेंट) उन्हें विदेशी नौकरियों का लालच देते हैं, लेकिन अक्सर जोखिमों को छिपाते हैं। नाइजर में अपहरण की घटना इसका जीता-जागता सबूत है, जहां मजदूरों को अपर्याप्त सुरक्षा वाले कैंपों में काम करना पड़ा। 3. परिवारों पर बोझ और सामाजिक ताना- बाना- प्रवासी मजदूर सिर्फ कमाने वाले नहीं, अपने परिवारों की उम्मीद का आधार होते हैं। नाइजर में अपहृत के मजदूर फलजीत महतो की पत्नी रूपा देवी की आंखों में डर और अनिश्चितता साफ दिखती है। बीबीसी चैनल पर वह कहती है, "भगवान ही जानता है कि मेरे पति किस स्थिति में हैं। अब मेरे दोनों बच्चों की परवरिश कैसे होगी? रात दिन फोन लगाती हूं लेकिन मोबाइल बंद है।"उनके पति की आय से ही उनके बच्चों की पढ़ाई और घर का राशन चलता था। अब, अपहरण की खबर ने उनके भविष्य को अंधेरे में डाल दिया है। ऐसे लाखों परिवार हैं, जो प्रवासी मजदूरों की कमाई पर निर्भर हैं, लेकिन उनके जोखिमों से अनजान रहते हैं। ग्रामीण भारत में सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, जैसे मनरेगा, सीमित प्रभाव डाल पाती हैं। बिना बचत या बीमा के, एक मजदूर की अनुपस्थिति परिवार को आर्थिक और भावनात्मक रूप से तोड़ देती है। महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, क्योंकि उनकी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। यह सिर्फ एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक ताने-बाने में गहरी दरार की हकीकत है। 4. नीतिगत खामियां और कॉर्पोरेट लापरवाही- भारत सरकार ने प्रवासी मजदूरों के लिए कुछ कदम उठाए हैं, जैसे प्रवासी भारतीय बीमा योजना और विदेश मंत्रालय का ई-माइग्रेट पोर्टल। लेकिन ये प्रयास नाकाम है। नाइजर जैसे अशांत क्षेत्रों में मजदूरों को भेजने से पहले जोखिम आकलन और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है। निजी कंपनियां सस्ते श्रम का लाभ उठाती हैं, लेकिन मजदूरों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं देतीं। नाइजर में 12 सुरक्षाकर्मियों की मौत इस बात का सबूत है कि कैंप की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। इसके अलावा, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की कमी एक बड़ी समस्या है। ग्रामीण भारत में औद्योगिकरण, कौशल विकास, और सूक्ष्म-उद्यमों को बढ़ावा देने की जरूरत है। अगर मजदूरों को अपने गांव में ही सम्मानजनक आय मिले, तो वो विदेश पलायन नहीं करेंगे। नाइजर में अपहरण की घटना सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि भारत की सामाजिक-आर्थिक असमानता का आईना है। देश में हर मजदूर को अपने शहर या गांव में ही रोजगार मिले, जहां उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिले, और जहां उनके बच्चों के सपने विदेश की अनिश्चितता पर निर्भर न हों। ग्रामीण भारत में उद्योग, शिक्षा, और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देना होगा। नाइजर जैसी घटना आगे किसी भारतीय मजदूर के साथ ना हो, इसलिए यह सिर्फ नीतियों का सवाल नहीं, बल्कि इंसानियत और इंसाफ का सवाल है।

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'

वर्ल्ड लाफ्टर डे- बिना शब्दों की सबसे सुंदर भाषा

हँसी- वह अनहद राग, जो दिलों की सरहद मिटा दे

हँसी – वह अनमोल राग, जो बिना शब्दों के दिलों को बाँध लेता है, वह चिंगारी, जो एक पल में उदासी के अंधेरों को रोशन कर देती है। क्या आपने कभी महसूस किया कि एक ठहाका कितनी सहजता से अनजान चेहरों को अपनों में बदल देता है? फिर भी, आज की दुनिया में, जहाँ तनाव की काली छायाएँ, अकेलेपन की ठंडी दीवारें और डिजिटल स्क्रीनों का शोर हमारी मुस्कान को छीन रहा है, हँसी एक दुर्लभ हीरा बन गई है। जब दुनिया की सबसे सस्ती दवा भी सबसे असरदार हो, तो उसे अपनाने में देर कैसी? मई के पहले रविवार को मनाया जाने वाला वर्ल्ड लाफ्टर डे सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि एक क्रांतिकारी पुकार है – हँसो, क्योंकि यही वह जादुई शक्ति है, जो नफरत की दीवारों को ढहा सकती है, टूटे दिलों को जोड़ सकती है, और दुनिया को इंसानियत का सबसे सुंदर रंग दे सकती है। इस अप्रतिम उत्सव की जड़ें भारत की पवित्र मिट्टी में हैं, जहाँ एक साधारण चिकित्सक ने हँसी को दवाइयों से कहीं ज़्यादा ताकतवर माना। 1998 में, डॉ. मदन कटारिया ने मुंबई के एक छोटे से पार्क में पाँच लोगों के साथ लाफ्टर योग की नींव रखी। न कोई मंच, न कोई स्क्रिप्ट, न कोई चुटकुला – सिर्फ शुद्ध, बे-वजह की हँसी। यह छोटा सा बीज इतना शक्तिशाली था कि वह एक वैश्विक वटवृक्ष बन गया। आज 100 से ज्यादा देशों में लाखों लोग लाफ्टर क्लब्स में इकट्ठा होते हैं, जहाँ वे बिना किसी मजाक के, बिना किसी कारण के, सिर्फ हँसने के लिए मिलते हैं। यह हँसी भाषा, संस्कृति, धर्म और सीमाओं को लांघकर एक ऐसी ऊर्जा बन जाती है, जो हर दिल को एकसाथ गूंथ लेती है। यह आंदोलन सिर्फ खुशी का प्रचार नहीं करता, बल्कि यह सिखाता है कि हँसी वह अनमोल सेतु है, जो टूटी हुई दुनिया को फिर से एक कर सकता है। विज्ञान भी इस जादुई शक्ति के सामने नतमस्तक है। जब हम हँसते हैं, हमारा शरीर एंडोर्फिन, डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे रसायनों का उत्सर्जन करता है, जो तनाव को पिघला देते हैं और मन को शांति की गहरी अनुभूति देते हैं। एक अच्छी हँसी रक्तचाप को नियंत्रित करती है, हृदय को ताकत देती है, और इम्यून सिस्टम को इतना मज़बूत बनाती है कि बीमारियाँ भी पीछे हटने को मजबूर हो जाएँ। शोध बताते हैं कि रोज़ाना 10-15 मिनट की हँसी योग जैसी हल्की हँसी न केवल जिम में घंटों मेहनत करने जितनी फायदेमंद है, बल्कि यह मस्तिष्क में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाकर एकाग्रता और

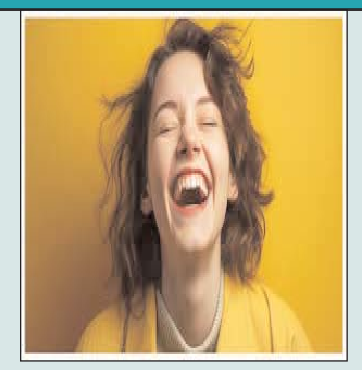

रचनात्मकता को भी प्रज्वलित करती है। गंभीर बीमारियों, जैसे कैंसर या डिप्रेशन से जूझ रहे मरीज़ों के लिए हँसी एक ऐसी संजीवनी बनती है, जो दर्द को हल्का करती है और जीवन को नए अर्थ देती है। लेकिन हँसी का कमाल सिर्फ शरीर और मन तक सीमित नहीं – यह आत्मा को भी छूती है, हमें हमारी मानवता से जोड़ती है। जब आप किसी के साथ दिल खोलकर हँसते हैं, तो उस पल में सारी दूरियाँ, सारे भेदभाव गायब हो जाते हैं। दो अजनबी, जो शायद कभी एक-दूसरे की भाषा न समझें, एक ठहाके में दोस्त बन जाते हैं। वर्ल्ड लाफ्टर डे इसी शाश्वत सत्य पर खड़ा है। यह दिन सिर्फ हँसी का उत्सव नहीं, बल्कि वैश्विक एकता का प्रतीक है। सवाल उठता है – क्या वाकई हँसी से दुनिया बदली जा सकती है? क्या एक मुस्कान वैश्विक संवाद की भाषा बन सकती है? जवाब है – हाँ, और यही जवाब वर्ल्ड लाफ्टर डे हर साल सिद्ध करता है। जब दुनिया भर के लोग एक ही दिन, एक ही समय पर हँसते हैं, तो वह सिर्फ ध्वनि नहीं, बल्कि एक ऐसी लहर होती है, जो नफरत, डर और विभाजन के खिलाफ़ खड़ी होती है। यह एक ऐसी क्रांति है, जो बिना खूनखराबे, बिना शोर, सिर्फ मुस्कान के साथ लड़ी जाती है। आज का युग, जहाँ तकनीक ने हमें जोड़ा भी है और तोड़ा भी, हँसी को इमोजी और रील्स की कैद में बाँध दिया है। हम लाइक, कमेंट और फॉलो की भूलभुलैया में खो गए हैं, लेकिन वर्ल्ड लाफ्टर डे हमें असली दुनिया में लौटाता है – जहाँ हँसी स्क्रीन पर नहीं, दिलों में बसती है। यह हमें सिखाता है कि हँसी के लिए न तो पैसा चाहिए, न मंच, न कोई खास प्रतिभा। बस एक इच्छा चाहिए – और थोड़ा सा साहस, कि हम बिना वजह हँस सकें। चाहे आप किसी लाफ्टर क्लब में शामिल हों, अपने परिवार के साथ हल्की-फुल्की बातों पर ठहाके लगाएँ, या अकेले में अपनी पसंदीदा कॉमेडी देखकर मुस्कुराएँ – हर हँसी आपके भीतर की उदासी को पिघलाती है, आपको थोड़ा और ज़िंदा बनाती है। हँसी की सबसे अनमोल खूबसूरती यह है कि यह हर किसी के लिए है। यह न तो अमीर-गरीब का भेद मानती है, न उम्र की सीमा, न देश की सरहद। लाफ्टर योग के सत्रों में लोग बिना किसी कारण के हँसते हैं, और यही बे-वजह की हँसी सबसे गहरी होती है। यह हमें याद दिलाती है कि खुशी बाहर की चीज़ों पर निर्भर नहीं, बल्कि हमारे भीतर की एक अनंत धारा है। आज, जब मानसिक अवसाद, तनाव और अकेलापन हमारी सबसे बड़ी चुनौतियाँ बन चुके हैं, हँसी एक ऐसी दवा है, जो बिना किसी दुष्प्रभाव के हर घाव को हल्का कर सकती है। यह वह साधन है, जो बिना पैसे, बिना शर्त, हमें सुकून और आनंद देता है। वर्ल्ड लाफ्टर डे का एक और अनोखा पहलू है इसका वैश्विक प्रभाव। यह दिन हमें सिखाता है कि हँसी सिर्फ व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि सामूहिक शक्ति है। जब समुदाय, गाँव, शहर और देश एकसाथ हँसते हैं, तो वह ऊर्जा सिर्फ हवा में नहीं गूंजती, बल्कि सामाजिक तनावों को कम करती है, समुदायों को मज़बूत करती है, और शांति की नींव रखती है। इतिहास गवाह है कि हँसी ने कई बार तनावग्रस्त परिस्थितियों को हल्का किया है – चाहे वह परिवारों में छोटे-मोटे झगड़े हों, या सामाजिक समारोहों में अनजान लोगों के बीच की हिचक। हँसी वह भाषा है, जो बिना अनुवाद के समझी जाती है, वह दर्पण है, जिसमें हर इंसान अपनी सबसे खूबसूरत छवि देख सकता है। जब दुनिया युद्ध, अवसाद और टूटन से जूझ रही हो, तब हँसी एक ऐसी क्रांति बन सकती है, जो बिना हथियार, बिना शोर, सिर्फ मुस्कान के साथ लड़ी जाए। वर्ल्ड लाफ्टर डे हमें यही विश्वास देता है कि छोटी-छोटी मुस्कानें बड़े बदलाव ला सकती हैं। यह हमें बताता है कि हँसी सिर्फ एक भावना नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी है – अपने लिए, अपने आसपास के लोगों के लिए, और उस दुनिया के लिए, जो अभी भी प्यार, एकता और उम्मीद की तलाश में है। इस वर्ल्ड लाफ्टर डे हँसी को दिल की गहराइयों से गले लगाएँ और संकल्प लें – कि हँसी अब सिर्फ एक दिन की मेहमान नहीं, बल्कि हमारी ज़िंदगी का सबसे चटकीला रंग होगी। दोस्तों, परिवार, यहाँ तक कि अनजान चेहरों के साथ ठहाके लगाएँ। उन बेपरवाह पलों को फिर जियें, जब हँसी बिना वजह हमारे होंठों पर नाचती थी। क्योंकि जब हम हँसते हैं, हम न सिर्फ खुद को, बल्कि पूरी दुनिया को और खूबसूरत बनाते हैं। हँसी वो लय है, जो हर दिल को छूती है; वो रंग, जो हर आँख को सुकून देता है। यह वो अनमोल ताकत है, जो हमें याद दिलाती है कि हम इंसान हैं – नाजुक, नन्हा, मज़बूत, मस्त, और सबसे बढ़कर, एक-दूसरे के साथ दिल से जुड़े हुए।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

महिला ने लगाया जेठ पर मारपीट का आरोप, मुकदमा दर्ज

नगराम , लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र के अन्तर्गत केवली गांव निवासी एक महिला ने जेठ पर मारपीट व जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए नगराम थाने में तहरीर दी है, वहीं पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी दोनों जेठों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव केवली निवासी पूनम ने अपने जेठ राम प्रताप व शिवकरन के विरुद्ध नगराम थाने में शुक्रवार को मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गुरुवार की दोपहर वह घर पर थी तभी उसके जेठ राम प्रताप व शिवकरन शराब पीकर आपस में गाली गलौज कर रहे थे मेरे द्वारा गाली-गलौज का विरोध करने पर दोनों लोग मिलकर पीटने लगे। आरोप है कि इस दौरान घर से भगा देने व जान से मारने की धमकी दी गई है। मामले में नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि युवती की तहरीर पर दोनों लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है जांच शुरू कर दी गई है।

शराब के नशे में धुत होकर महिला के घर में घुसे आरोपी मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

....पीड़िता ने नगराम थाने में दी तहरीर, पुलिस जांच में जुटी

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र के केवली गांव में एक महिला के साथ अभद्रता और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता पूनम पत्नी नौमीलाल ने थाने में दी गई तहरीर में बताया है कि बीते एक मई को दोपहर लगभग एक बजे उसके जेठ रामप्रताप और शिवकरण पुत्र गण विश्वनाथ शराब के नशे में धुत होकर उसके घर के बाहर गाली-गलौज कर रहे थे।पीड़िता के अनुसार, जब उसने विरोध करते हुए गाली देने से मना किया तो दोनों आरोपित घर के अंदर घुस आए और भद्दी-भद्दी गालियां देने लगे। यहीं नहीं, उन्होंने लात-घूंसों से बुरी तरह मारा-पीटा और जान से मारने की धमकी दी। आरोपितों ने यह भी कहा कि हम लोग घर से भगा देंगे, यह हमारा घर है, तुम्हें यहां नहीं रहने देंगे।पीड़िता ने बताया कि इस घटना में उसे पूरे शरीर में गंभीर चोटें आई। घटना की सूचना उसने तुरंत डायल 112 पर दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।पीड़िता ने थाना नगराम में तहरीर देकर मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। गांव में इस घटना के बाद तनाव का माहौल बना हुआ है।

एकलव्य आवासीय विद्यालय में शिक्षक पद पर अशोक का चयन

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव निवासी प्रख्यात चिकित्सक डॉ. आरएस यादव के बेटे अशोक कुमार यादव का एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रशिक्षित शिक्षक के रूप में चयन हो गया। उनके चयनित होने पर परिवारीजनों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। उन्हें छत्तीसगढ़ प्रांत के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में नियुक्ति दी गई है। अशोक ने बताया कि उनका चयन भारत की जनजाति कार्य मंत्रालय के अधीन संस्था राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति की ओर से आयोजित लिखित परीक्षा के आधार पर हुआ।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अकबर हुसेन आयु करीब 68 वर्ष पुत्र मो0 बख्श निवासी मोहल्ला कोट थाना कोतवाली जिला सीतापुर का हूँ। दिनांक 30/09/2021 को मैने अपने पुत्र अशफाक अहमद को उसके चाल चलन के कारण अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था। किन्तु अब मेरा पुत्र पूर्णरूप से सारे गलत कृत्य त्याग दिये है और मैने भी उसे माफ कर दिया है। आज से वह मेरे साथ ही रहेगा।

NOTICE

I, Chanavati Mother Of No.1488 0357 Y Naik Late Rajesh Patel Vill. Baghawar Baxipur ,Post Tahirpur, Sagri Azamgarh (UP) 276122 is Correct Name Chanavati Instead Of Chandravati Devi Vide Affidavit date 28/4/ 2025 Before Notary Public Azamgarh (up)

पैतृक जमीन पर दबंगों ने किया जबरन कब्जा बना दी कच्ची सड़क दी जान से मारने की धमकी

● .....पीड़ित ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ की तहसील मोहनलालगंज के मऊ गांव में एक किसान की पैतृक भूमि पर जबरन कब्जा कर रोड बना दी गई। पीड़ित ने इस मामले में मोहनलालगंज थाना पुलिस से शिकायत करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित पूर्णमासी पुत्र स्वर्गीय छोटेलाल निवासी ख्वाजापुर मजरा औरंगाबाद खालसा, थाना आशियाना, लखनऊ ने बताया कि शुक्रवार को वह अपने खेत खसरा संख्या 1463, 1464 एवं 1465 की स्थिति देखने मऊ गांव पहुँचे थे। मौके पर पहुँचकर उन्होंने देखा कि जेसीबी मशीन से खेत की खुदाई हो रही है और खेत पर कच्ची सड़क बनाई जा रही थी।जब उन्होंने विरोध किया और खेत में खुदाई करने वालों से पूछताछ की, तो पता चला कि यह कार्य स्थानीय दबंग प्रॉपर्टी डीलर मनोज पाण्डेय, तथा उनके दर्जन भर अज्ञात साथियों द्वारा किया जा रहा है। पीड़ित का आरोप है कि इन लोगों ने दर्जनभर अन्य लोगों के साथ मिलकर जबरन खेत में घुसकर कब्जा किया और खुदाई कर कच्ची सड़क बना दी।पीड़ित के अनुसार उन्होंने तुरंत मौके पर से 112 नंबर पर पुलिस को फोन कर दिया, लेकिन जब तक पुलिस वहाँ पहुँची, आरोपी भाग निकले। पीड़ित का यह भी कहना है कि जब उसने निर्माण का विरोध किया तो उसे धमकाया गया और खेत से भगा दिया गया। आरोपियों ने कहा, ÷जो करना है कर ले, अब हम कब्जा नहीं हटाएँगे।

पीड़ित पूर्णमासी का कहना है कि यह भूमि उनकी पैतृक संपत्ति है, जिसमें उनका और उनके दो भाइयों का वैध अधिकार है। उन्होंने आशंका जताई है कि आरोपी किसी भी समय उनके और उनके परिवार के साथ अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं।पीड़ित ने मोहनलालगंज थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह से न्याय की गुहार लगाते हुए दबंगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की माँग की है। वहीं, इस मामले से स्थानीय ग्रामीणों में भी आक्रोश का माहौल है। क्षेत्रीय प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं कि आखिर इतनी बड़ी ज़मीन पर अवैध कब्जा और कच्ची सड़क कैसे बना दी और ये संभव हो गया।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है और पीड़ित को न्याय दिलाता है या नहीं।

गांव में पुरानी रंजिश को लेकर महिला पर हुआ जानलेवा हमला, गंभीर हालत में किया ट्रॉमा सेंटर रेफर

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र के भौरखुर्द गांव में आपसी रंजिश को लेकर बीती रात एक महिला पर जानलेवा हमला किया गया। घटना में महिला को गंभीर चोटें आई हैं, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता अर्पणा पत्नी सुशील, निवासी ग्राम भौरखुर्द थाना नगराम, ने बताया की बीती रात लगभग 11:30 बजे गांव के ही पड़ोसी आशीष, पिंशु पुत्रगण स्व. जयकृष्ण उनके घर के दरवाजे पर आकर अशोभनीय भाषा में गाली-गलौज करने लगे। जब अर्पणा ने इसका विरोध किया, तो दोनों आरोपियों ने उसके घर में घुसकर मारपीट शुरू कर दी।पीड़िता ने किसी तरह खुद को बचाते हुए घर में जाकर दरवाजा बंद किया, लेकिन तभी आशीष की पत्नी रामपति भी मौके पर आ गई और आरोपियों को उकसाने लगी कि अर्पणा को बाहर खींचो और इसकी सारी गर्मी उतार दो। इसके बाद आशीष और पिंशु ने पीड़िता को घर से बाहर खींच लिया और लाठी-डंडों एवं कुल्हाड़ी से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में महिला लहूलुहान हो गई और बेहोश होकर गिर पड़ी।घटना की सूचना मिलते ही पीड़िता का पति सुशील उसे थाने लेकर पहुंचा, जहां से नगराम पुलिस ने तत्काल चिकित्सकीय परीक्षण के लिए सीएचसी नगराम भेजा। हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने उसे ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की धमकी भी दी है। पीड़िता ने थाना नगराम में लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमलावरों की तलाश जारी है।

शादी से लौट रहे युवक पर किया गया जानलेवा हमला, युवक गंभीर रूप से हुआ घायल

● ....गांव लौटते समय एक दर्जन लोगों ने घेरकर की बेरहमी से की पिटाई, सीएचसी में भर्ती..

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक दर्दनाक घटना सामने आई है जहाँ एक युवक को शादी समारोह से लौटते समय एक दर्जन लोगों ने मिलकर बेरहमी से पीट दिया। यह घटना ग्राम धौरैया मजरा कमालपुर बिचलिका निवासी ग़ोपीलाल के पुत्र अवधेश कुमार के साथ घटी, जो बकतोरीखेड़ा थाना निगोहा क्षेत्र में आयोजित शादी समारोह से घर लौट रहा था।प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक एक मई की बीती रात जब अवधेश अपने गांव लौट रहा था, तभी फत्तेखेड़ा निवासी अज्ञात व्यक्ति मोहित पुत्र अज्ञात और उसके साथियों ने अवधेश को गांव के पास घेर लिया। बताया जा रहा है कि उक्त आरोपियों अपने एक दर्जन साथियों के साथ मारपीट शुरू कर दी इन लोगों ने मिलकर अवधेश को लात-घूंसे, लाठी-डंडों से बुरी तरह मारा-पीटा और जातिसूचक गालियाँ देते हुए जान से मारने की धमकी दी। हमले में अवधेश के सिर पर गंभीर चोटें आईं, साथ ही उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अवधेश को सीएचसी मोहनलालगंज पहुँचाया, जहाँ उसका प्राथमिक उपचार किया गया।इस संबंध में अवधेश की माता, ग़ोपीलाल की पत्नी ने नगराम थाना प्रभारी को एक शिकायती पत्र सौंपते हुए हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि यह हमला पूर्व नियोजित प्रतीत होता है और उनके पुत्र को जान से मारने की साजिश की गई है। नगराम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

क्षेत्र विस्तार को लेकर किन्नर समुदाय के दो पक्ष आपस में भिड़े जमकर चले लाठी डंडा

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के ईसापुर मजरे रुकुनपुर बइखरा गांव में आई बारात में बख्शीश लेने पहुंचे किन्नरों के दो समुदाय में कहा सुनी होने लगी। देखते ही देखते कहा सुनी मारपीट में तब्दील हो गई और मारपीट इतनी बढ़ गई कि जिसमें एक भैंस सहित लगभग आधा दर्जन से अधिक लोग चोटहिल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने चोटहिलों व दोनों समुदाय के किन्नरों को कोतवाली लाकर चोटहिलों का मेडिकल परीक्षण करा कर मामले को सुलझाने का अथक प्रयास किया जिसमें दोनों समुदाय के किन्नरों ने आपसी सुलह समझौता कर अपने-अपने क्षेत्र में बख्शीश लेने की बात पर सहमत हुए। बताते चलें कि महराजगंज क्षेत्र के मूढ़ू का पुरवा मजरे अतरेहटा गांव निवासी मनीष यादव की बारात महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के ईसापुर मजरे रुकुनपुर बइखरा बृहस्पतिवार को गई थी जिसमें आज दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह 10:00 बजे महराजगंज कस्बे के मुड्डू का पुरवा में रहने वाली किन्नर अंगूरी, पलक अपने साथियों के साथ बख्शीश लेने हेतु गांव पहुंच गई जैसे ही इसकी सूचना रायबरेली के किन्नरों को हुई वैसे ही आनन-फानन रायबरेली के किन्नर पूनम और राज मास्टर सहित कई लोग बख्शीश लेने हेतु गांव पहुंच गए सीमा विवाद व अपने क्षेत्र के बंटवारे को लेकर दोनों पक्षों में कहा सुनी होने लगी देखते ही देखते कहा सुनी मारपीट में तब्दील हो गई जिसमें दोनों पक्षों के आधा दर्जन से अधिक लोग व एक भैंस का पैर टूट गया और भारी मात्रा में लोग चोटहिल हो गए घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस व डायल 112 की सूझबूझ के चलते व अथक प्रयास से सभी चोटहिलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज लाया गया और प्राथमिक उपचार कराया गया तथा कोतवाली परिसर में उपस्थित दोनों समुदाय के पदाधिकारी द्वारा यह निर्णय लिया गया कि हम सभी लोग आपस में सुलह समझौता कर रहे हैं किसी प्रकार की विधिक कार्रवाई नहीं चाहते और चोटहिल भैंस के इलाज हेतु जो भी पैसा लगेगा वह हम दोनों पक्षों के लोग वहन करेंगे तथा हमारे कमेटी के लोगों द्वारा जो फैसला होगा वह मान्य होगा।

ईंट से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराया मिनी ट्रक दोनों के चालक सुरक्षित

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा में शुक्रवार को एक मिनी ट्रक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गया। हादसे में मिनी ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि दोनों चालक सुरक्षित बच गए। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे मिनी ट्रक कानपुर की ओर जा रहा था, तभी गांधी चौराहा की ओर मुड़ रही ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक सामने आ गई। ट्रैक्टर चालक ने तेजी से मोड़ने की कोशिश की, जिससे ट्रॉली सीधी रह गई और मिनी ट्रक उससे टकरा गया। हादसे में ट्रैक्टर चालक धर्मेश निवासी बेलहनी और मिनी ट्रक चालक इंदल निवासी बुलंदशहर को कोई गंभीर चोट नहीं आई। राहगीरों की मदद से ट्राली में फंसे मिनी ट्रक को बाहर निकाला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहनों को सड़क से किनारे हटवाया।

नगर पंचायत प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण,गरजा बुलडोजर

● नगर पंचायत अध्यक्ष के आवाज पर नाली के ऊपर बना बरामदा भी टूटा

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे में नगर पंचायत प्रशासन की ओर से शुक्रवार को दुकानों के सामने अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के लिए दो जेसीबी लगाई गई थी। इस दौरान कई दुकानदार अपनी दुकानों के सामने से खुद अतिक्रमण हटाते दिखे। मेन रोड पर कई दुकानदार अपनी दुकानों के सामने तख्त डालकर व बरामदे में पक्का निर्माण करा कर अतिक्रमण कर रखा था। जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा हो रही थी। इसको लेकर व्यापारियों और आम नागरिकों ने कई बार शिकायती पत्र दिया। शुक्रवार को तहसीलदार ध्रुव नारायण यादव, ईओ राजभान शुक्ला प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचे में रोड के बाद टीम ने सराफा मंडी की कई दुकानों का अतिक्रमण हटा दिया इस दौरान लोगों में नाराजगी दिखी। लोगों का दावा है कि उन्हें अतिक्रमण हटाने को लेकर सूचना नहीं दी गई जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकानदार जेसीबी के सामने बैठ गए और नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता की आवास के बरामदे को भी हटाने की जिद पर अड़ गए। बाद में अधिशासी अधिकारी के निर्देश पर नाली पर बना छज्जा जेसीबी से तोड़ दिया गया। वहीं नगर पंचायत प्रशासन का कहना है कि व्यापारियों की ओर से लगातार अतिक्रमण को लेकर शिकायतें मिल रही थी जिसको देखते हुए उन्हें एक माह में कई बार मुनादी करा कर वह नोटिस देकर दुकानदारों को स्वतः अतिक्रमण हटा लेने के लिए कहा गया था जब नहीं माने तो जेसीबी के जरिए दुकानों के सामने से स्थाई अतिक्रमण को हटा दिया गया। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि करीब 25 से 30 दुकानों के सामने अस्थाई अतिक्रमण को हटा दिया गया है कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

रेलकोच के आवासीय परिसर में सुरक्षा के दावे फेल

● सुरक्षा व्यवस्था चाक- चौबंद ना होने से कर्मचारियों में नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) के आवासीय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किए गए तमाम दावों के बावजूद एक बार फिर चोरी की घटना सामने आई है। इस बार परिसर के तीन घरों में चोरों ने सेंध लगाई है। यह घटना पिछले साल नवंबर हुई 25 घरों में चोरी के बाद दोबारा हुई है। जिससे प्रशासन की लापरवाही उजागर हो गई है। गत वर्ष हुई चोरी की घटनाओं के बाद प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर कई कदम उठाने की बात कही थी। परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने, सशस्त्र गार्ड तैनात करने, चहारदीवारी में कटीले तार लगाने, और सीमाएं चिन्हित करने के निर्देश दिए गए थे। इसके अलावा वेंडर्स और रेजिडेंट्स के लिए पहचान पत्र अनिवार्य किया गया था। आरेडिका के उप मुख्य कार्मिक अधिकारी ने अलग-अलग विभागों को निर्देश जारी कर जिम्मेदारियां सौंपी थीं। भवनों की मरम्मत, परिसर में उगे जंगल और झंडियों की सफाई, रात में गश्त बढ़ाना, वाहनों की पार्किंग व्यवस्था और परिसर में आवाजाही पर नियंत्रण जैसे कई कदम तय किए गए थे। यहां तक कि संविदा कर्मियों को पुलिस सत्यापन के बाद ही रखने के निर्देश भी जारी किए गए थे। इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था की पोल तब खुल गई जब सोमवार की रात आवासीय परिसर में तीन घरों के दरवाजों के ताले तोड़कर फिर चोरी हो गई। इससे यह साफ हो गया कि कागजों पर बनी सुरक्षा योजना जमीन पर पूरी तरह अमल में नहीं लाई गई। उधर अमेठी पुलिस ने अंतर्राज्यीय गैंग के बदमाशों को गिरफ्तार किया था। पूंछ तांछ में बदमाशों ने पिछले वर्ष आरेडिका में हुई चोरियों में शामिल होने की बात कुबल की थी। हालांकि पीड़ित व्यक्तियों ने खुलासे को लेकर नाराजगी व्यक्त की थी। कर्मचारी नेता नैब सिंह, आशीष मिश्रा, आदर्श बघेल ने कहा कि चोरियों में अंकुश नहीं लगने के कारण आरेडिका के कर्मचारियों में एक बार फिर डर और असुरक्षा का माहौल है।

सिंचाई विभाग में आयोजित हुई आदि गुरु शंकराचार्य की जन्म जयंती

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ आदि शंकराचार्य के प्राकट्य दिवस के अवसर पर सिंचाई भवन मुख्यालय के विभिन्न कर्मचारी संघों ने भोजन अवकाश के अवसर पर एकत्र होकर सनातन धर्म की ध्वजा पूरी दुनिया में फैलने वाले आदि गुरु शंकराचार्य को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर इंजीनियर शैलेंद्र दुबे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर सचिवालय संघ के वरिष्ठ नेता हरि शरण मिश्रा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए शैलेंद्र दुबे ने बताया कि बारह शताब्दियों के अनंतर आज भी शंकराचार्य का कार्य समाप्त नहीं हुआ है।आज मनुष्य के पास ऐश्वर्य के असीम साधन हैं किंतु दुःख संताप की कोई सीमा नहीं है।काम, क्रोध, लोभ, दंभ, विद्वेष, आदि आसुरी भाव मनुष्य को निरन्तर जर्जर कर रहे हैं।परित्राण कहां है ? परित्राण केवल मनुष्य की आत्मा के आविष्कार में है।सभी मनुष्यों के अन्दर एक अविभाज्य चैतन्यसत्ता निरन्तर प्रकाशमान रहती है।इस अप्रत्याखेय के ज्ञान के स्वीकार में,इसकी उपलब्धि में और इसके प्रचार में आदि शंकराचार्य का बत्तीस वर्ष का अलौकिक जीवन इस अबाधित सत्य का मूर्त प्रकाश है।

आदि शंकराचार्य के जीवन का आज हमें नए रूप में स्मरण करना होगा और जीवन के अनेक द्वंद्वों को आत्मविज्ञान में समन्वित करने की प्रेरणा तथा उसका उपाय आचार्य शंकर के जीवन और उनकी वाणी से ग्रहण करना होगा। भारतीय दर्शन को अद्वैत वेदांत जैसा आध्यात्मिक और नैतिक सिद्धांत देने वाले आदि गुरु शंकराचार्य ने पूरी दुनिया को भारतीय दर्शन का जहां एक तरफ लोहा बनवाया वही अद्वैत वेदांत की अवैध दृष्टि अनेकता में एकता की शिक्षा आज की भारतीय संस्कृति के साथ तत्व को बनाए रखना की साक्षमता और उपयोगिता हम सबको सिखाई। आज की हमारी समस्याओं का समाधान अद्वैत प्रदत्त आध्यात्मिक एवं नैतिक ढांचे में ही संभव है अतः हम सभी को वैदिक सिद्धांतों पर आधारित इस संदेश को समझना होगा और सनातन धर्म की पटकों को पूरे विश्व में फैलने वाले सिद्धांतों को आत्मसार करना होगा।

वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर बोलते हुए सचिवालय संघ से हरि शरण मिश्र ने बताया कि आज जहां पूरे विश्व में ध्रुवीकरण हो रहा है वही जरूरी है कि हम सनातनी भी संगठित होकर आदि शंकराचार्य के सिद्धांतों की ओर वापस लौटे और देश और दुनिया को दर्शन की दिशा दिखाने वाले महान दार्शनिक के सिद्धांतों को भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने हेतु जीवंत रूप से चरित्र करें। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक नेता और सर्वजनहिताय संरक्षण समिति की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रीना त्रिपाठी भी उपस्थित थी।

मई व जून माह में आयोजित होने वाली ग्राम चौपाल के लिए नोडल अधिकारी नामित- सीडीओ

● ग्राम चौपाल के दौरान प्राप्त होने वाली समस्याओं का गुणवत्तापरक निस्तारण गांव में ही सुनिश्चित कराया जाय- सीडीओ

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने बताया है कि जनपद हेतु नामित नोडल अधिकारी मा0 प्रमुख सचिव समाज कल्याण, सैनिक कल्याण विभाग उ0प्र0 शासन एल0 वेंकटेश्वर लू द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुसार ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किए जाने हेतु नोडल अधिकारी नामित करते हुए 02 माह मई व जून का रोस्टर निर्गत किया गया है। उन्होंने बताया कि नामित नोडल अधिकारी आयोजित होने वाली ग्राम चौपाल में निर्धारित तिथि को समय से उपस्थित होकर अपने पर्यवेक्षण में ग्राम चौपाल का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने एवं ग्राम में मनरेगा के कार्य मजदूरी भुगतान महिला मेट समूह की गतिविधियों यथा समूह गठन, बीओसीएलएफ, बी0सी0 सखी, विद्युत सखी, लखपति महिला, टीएचआर प्लांट, पंचायत विभाग द्वारा वित्त आयोग की धनराशि से कराए गए समस्त कार्य, ग्राम पंचायत में लगायी गयी लाइटों, सामुदायिक शौचालय एवं व्यक्तिगत शौचालय के प्रयोग, पंचायत भवन, जल निकासी नाली, सड़क/सम्पर्क मार्ग, गोआश्रय स्थल, स्कूल भवन, स्कूल संचालन, एमडीएम, सिंचाई व्यवस्था (नहर / नलकूप), संचारी रोग, टीकाकरण, राशन वितरण, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, हर घर नल से जल, आंगनबाड़ी एवं एएनएम सेंटर, विद्युत आपूर्ति, वृद्धावस्था, निराश्रित महिला एवं दिव्यांग पेंशन तथा छात्रवृत्ति, चकमार्ग, सार्वजनिक भूमि आदि की पैमाइश तथा भूमि आदि के विवाद कार्य का सत्यापन किए जाने एवं गांव में समुचित साफ-सफाई व्यवस्था भी सुनिश्चित करायेंगे। ग्राम चौपाल के दौरान प्राप्त होने वाली समस्याओं का गुणवत्तापरक निस्तारण गांव में ही सुनिश्चित कराया जाय। यदि किसी विशेष कारण से समस्या का निस्तारण ग्राम चौपाल के दौरान संभव नहीं हो पाता है, तो इस सम्बन्ध में सम्बन्धित नोडल अधिकारी द्वारा अपनी आख्या में इसका विशेष रूप से उल्लेख करते हुए अपना सुझाव भी अंकित करेंगे। ग्राम चौपाल के आयोजन का समय प्रातः 11:00 बजे से चौपाल की समाप्ति तक होगा।

वन और पुलिस विभाग की सर परस्ती में लकड़कट्टे ने किया हरियाली का सफाया

लखीमपुर खीरी मामला वन रेंज धौरहरा तथा थाना क्षेत्र शारदा नगर के ग्राम भरतपुर का है। जहां पर दबंग ठेकेदार ने वन विभाग और पुलिस से साठगांठ कर 8 शीशम के पेड़ों को अपना निशाना बना दिया। मिली जानकारी के अनुसार वन रेंज धौरहरा सहित थाना क्षेत्र शारदा नगर के अंतर्गत भरतपुर गांव में गांव के पूर्व बगैर परमिट 8 शीशम के पेड़ काट लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। मिली जानकारी के अनुसार काटे गए ऑठो शीशम के पेड़ों का परमिट नहीं था।उक्त सारा खेल वन रेंज के अंतर्गत तैनात वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड सहित शारदा नगर पुलिस से साठगांठ करके खेला गया है। विभागीय जिम्मेदारों की सरपरस्ती में जनपद खीरी में हरियाली की सफाया का अभियान सा चल रहा है। विभागीय जिम्मेदारों की लकड़ कट्टों के साथ चल रही सेटिंग गेटिंग के चलते लकड़कट्टे बेखौफ जब और जहां चाहते हैं हरियाली का सफाया कर डालते हैं। धौरहरा रेंज में काटे गए इन शीशम के पेड़ों की भनक वन क्षेत्र अधिकारी धौरहरा को ना होना किसी के गले नहीं उतर रहा है। यह कोई पहली घटना नहीं है जनपद में हर दिन अवैध कटान की घटनाएं अखबारी सुर्खियां बनती हैं लेकिन जिम्मेदारों की नींद टूटने का नाम ही नहीं ले रही है। अब देखना यह है कि वन क्षेत्र अधिकारी धौरहरा उपरोक्त मामले में क्या कार्यवाही करते हैं?

जनपद में 4 मई को लगेगा स्कूली वाहनों के लिए विशेष फिटनेस कैम्प, अनफिट वाहनों पर होगी सख्त कार्रवाई

गोंडा। जनपद में संचालित अनफिट स्कूली वाहनों की जांच और फिटनेस सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा 04 मई 2025 (रविवार) को एक विशेष फिटनेस कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प प्रातः 07 बजे से सायं 06 बजे तक संभागीय परिवहन कार्यालय, गोंडा के मुख्य प्रांगण में चलेगा।यह कार्यवाही उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार की जा रही है। जनपद में स्कूली वाहनों की फिटनेस को लेकर परिवहन विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत पहले भी विद्यालयों को नोटिस जारी की जा चुकी हैं और 25 अप्रैल को पंजीकृत डाक द्वारा दोबारा नोटिस भेजी गई है।हालांकि विभाग द्वारा जागरूकता, प्रवर्तन कार्यवाही और विशेष कैम्पों के माध्यम से प्रयास किए जाने के बावजूद कई वाहन अभी भी अनफिट स्थिति में हैं, जो बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।इसी को दृष्टिगत रखते हुए 26 अप्रैल 2025 को आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी महोदया ने निर्देश दिए कि जिन स्कूलों के वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है, उन्हें 10 मई 2025 से पूर्व अनिवार्य रूप से फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त कराना होगा।परिवहन विभाग ने सभी स्कूल प्रबंधकों से अपील की है कि वे अपने अनफिट वाहनों को 04 मई के विशेष कैम्प में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें, ताकि संभागीय निरीक्षक द्वारा उनका तकनीकी परीक्षण किया जा सके।विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि तक वाहन प्रस्तुत न करने की स्थिति में संबंधित वाहनों का पंजीकरण निरस्त किया जाएगा तथा स्कूल की मान्यता समाप्त करने हेतु जिलाधिकारी को संस्तुति भेजी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

अपराधी के खिलाफ कार्रवाई न होने से बजरंग दल कार्यकर्ता भयभीत, सुरक्षा की गुहार

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में सोरांव क्षेत्र के रहने वाले बजरंग दल के एक कार्यकर्ता ने अपराधी से अपनी जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार की है। प्रेस वार्ता करते हुए पीड़ित अंशु पुष्पाकर ने कहा कि झण्डा लगाने को लेकर अपराधी नाराज है उसका कहना था की वह नव वर्ष पर हिंदू धर्म का झंडा लगाने गया था जहां जहां पर उसे दबंग माफिया के गैंग के लोगों ने मारपीट की है। पीड़ित अंशु का आरोप है कि माफिया पासर गैंग चलाता है और उसके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे हैं। अंशु का आरोप है कि स्थानीय पुलिस दबंग से मिली हुई है और उसे न्याय नहीं मिल रहा है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मदद की गुहार लगाई है कि उसे न्याय दिया जाए। माफिया पर अलग-अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं किंतु कार्रवाई नहीं हो रही है। मजे की बात है कि अपराध दर्ज होने के बाद भी पुलिस ने शस्त्र लाइसेंस निर्गत किया है। जिससे उसकी मां और बढ़ गया है।

आज से दो दिनों तक चलेंगी तेज हवाएं, गर्मी का प्रकोप होगा कम, चार व पांच मई को बारिश के आसार!

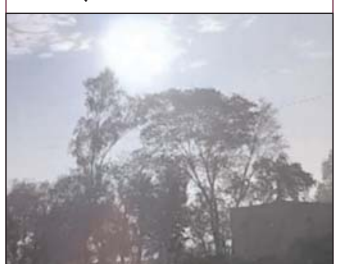

प्रयागराज। शुक्रवार व शनिवार को तेज हवाएं चलने की संभावना मौसम विभाग की तरफ से जताई गई है। जिसके चलते गर्मी का प्रभाव कम होगा। क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ की वजह से लगातार मौसम में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इतना ही नहीं मौसम विभाग की तरफ से चार व पांच मई को तेज हवाओं के साथ बारिश की भी संभावना जताई गई है। ऐसे में लोगों को गर्मी से काफी राहत मिलने की संभावना है। वहीं, दूसरी तरफ बृहस्पतिवार को पूरे दिन हवाएं चलती रहीं और आसमान में बादल टुकड़ों के रूप में नजर आए। जिसकी वजह से धूप पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। तेज धूप की वजह से एक बार फिर गर्मी का प्रभाव हावी होता नजर आया। ऐसे में बुधवार की अपेक्षा अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी देखने को मिली। वहीं, मौसम विभाग ने शुक्रवार व शनिवार को करीब 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। इसके अलावा रविवार और सोमवार को बारिश का अनुमान है। मौसम में लगातार हो रहे इस बदलाव की वजह से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

समस्तीपुर में पेड़ से लटका हुआ मिला युवक का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

समस्तीपुर जिले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के मोरवा रायपुर गांव में शुक्रवार की सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है। इसकी खबर फैलते ही लोंगो की भारी भीड़ जमा हो गयी। मृत युवक की पहचान मोरवा रायपुर गांव के वार्ड -1 निवासी निशि चंद्र शर्मा के पुत्र सोनू कुमार (26 वर्ष) के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की छानबीन में जुटी है। परिजनों ने चुनावी रंजिश को लेकर हत्या का आरोप लगाया है।

घटना के संबंध में मृतक के भाई अप्पू कुमार ने बताया कि उनका भाई कल शाम 7 बजे घर से निकला था। जिसके बाद देर रात तक घर नहीं लौटा तो हमलोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। आज सुबह हमलोग फिर उसकी तलाश में निकलने वाले थे, तभी एक पड़ोसी ने बताया की गांव में पेड़ से लटका हुआ एक शव मिला है। इसके बाद हमलोग वहां पहुंचे और उसकी पहचान की। इस मामले में उन्होंने आरोप लगाया कि पैक्स चुनाव में दूसरे पक्ष को समर्थन देने की वजह से उनके भाई की हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि इससे पहले चुनाव को लेकर ही उनके परिवार के साथ मारपीट भी की गई थी। इसी विवाद को लेकर उनके भाई की हत्या की गई है। वहीं इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

कचरे के ढेर में मिला नवजात शिशु का शव, स्थानीय लोंगो ने जताया आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर में मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। शहर के काशीपुर वार्ड - 34 में शुक्रवार की सुबह कचरे के ढेर में एक नवजात शिशु का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। इसके बाद उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि गनीमत रही की खतरनाक जानवरों के द्वारा उसे अपना शिकार नहीं बनाया गया। सुचना पर पहुंचे नगर निगम के सफाईकर्मी शव को पॉलिथीन में लपेटकर ले गए। इधर मामला सामने आने के बाद सिविल सर्जन डॉ. एसके चौधरी ने जांच के आदेश दिए हैं। इस मामले को लेकर स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि विजय कुशवाहा ने बताया कि इलाके में कई अवैध अस्पताल बिना निबंधन के अवैध रूप से चल रहे हैं। जिनके द्वारा आए दिन मेडिकल वेस्ट को खुले में फेंका जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी यहां नवजात शव और भ्रूण मिल चुके हैं। वहीं स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोंगो का कहना है कि मेडिकल कचरे यत्र- तत्र फेंके जा रहे हैं, कभी नवजात का शव मिलता है, तो कभी मानव अंग। लोगों ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग से बार बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। सिविल सर्जन सिर्फ खानपूर्ति के लिए जांच की बात कर मामले को टाल देते हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से इस पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

जानकारी केअनुसार जिले में 30 अल्ट्रासाउंड केंद्र और 105 नर्सिंग होम पंजीकृत हैं। जबकि 2000 से अधिक नर्सिंग होम अवैध रूप से चल रहे हैं। इनमें सिर्फ 65 संस्थानों ने मेडिकल वेस्ट के लिए सुरक्षित निपटारा की व्यवस्था है। बाकि सभी बिना नियम कानून के संचालित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने अवैध अस्पतालों पर कार्रवाई और मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निष्पादन की मांग की है। इस संबंध में नगर थाना अध्यक्ष शिवकुमार यादव ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि सदस्य ने सूचना दी थी। मौके पर पुलिस टीम को भेजा गया है। जांच के बाद दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छह नशेडियों के पास 46 मोबाइल मिले

● इनके पास 600 ग्राम अल्प्राजोलम पाउडर भी मिला

स्वतंत्र प्रभात

मोबाइल बरामदगी की जानकारी देते एसपी सिटी डा. अरविंद कुमार।

मथुरा। वृंदावन में श्रद्धालुओं के आमद वर्षभर रहती है। ऐसे में यहां बाहर से आकर रहने वाले और स्थानीय ऐसे लोगों की संख्या भी बढी है जो चोरी चपाटी से ही काम चला रहे हैं। खास कर नशे के आदी हो चले युवक मोबाइल सहित दूसरी चोरियां कर रहे हैं। थाना वृंदावन पुलिस ने ऐसे ही छह नशेडियों से चोरी के 46 मोबाइल बरामद किये। इनके पास से 600 ग्राम नशीला पाउडर भी पुलिस को मिला है। चैकिंग के दौरान अभियुक्त अर्जुन पुत्र पप्पू उर्फ बाबू सिंह उम्र करीब 25 वर्ष निवासी गोपालगढ थाना जैत जनपद मथुरा मूल पता तकिया थाना कोतवाली जनपद इटावा, भारत पुत्र छीतरिया उम्र करीब 32 वर्ष निवासी ग्राम अरहेरा थाना जैत जनपद मथुरा, ओमप्रकाश उर्फ बौना पुत्र राधेश्याम उम्र करीब 21 वर्ष निवासी सकराया बाबूगढ थाना जैत जनपद मथुरा, कुमर साहब पुत्र रमेश उम्र करीब 20 वर्ष निवासी फ्लैट नम्बर तीन चौथी मंजिल काशीराम कालोनी कस्बा व थाना वृन्दावन जनपद मथुरा, सचिन पुत्र लालमन उम्र करीब 22 वर्ष निवासी बाजना थाना हाइवे जनपद मथुरा 6.मनीष पुत्र पप्पू उर्फ राजू प्रकाश उम्र करीब 18 वर्ष निवासी अम्बेडकर कालोनी कृष्णा नगर थाना कोतवाली जनपद मथुरा को 46 अदद चोरी के मोबाईल व 600 ग्राम नशीला पदार्थ (अल्प्राजोलम पाऊडर) के साथ दिनांक 02.05.2025 को पवनहंस हैलीपैड के बन्द पडे शौचालय से गिरफ्तार किया गया। इन सभी को पवनहंस हैलीपैड के बन्द पडे शौचालय से गिरफ्तार कियाग या। अर्जुना, भारत, ओम प्रकाश, मीनष के पास आठ आठ जबकि कुमर साहब और सचिन के पास से सात सात मोबाइल मिले हैं। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रशान्त कपिल प्रभारी निरीक्षक थाना वृन्दावन, धर्मेन्द्र कुमार निरीक्षक अपराध थाना वृन्दावन, उप निरीक्षक अशोक कुमार थाना वृन्दावन मथुरा, एसआई अमित कुमार थाना वृन्दावन जनपद मथुरा,एसआई कुलवीर सिंह थाना वृन्दावन आदि पुलिसकर्मी थे।

वृंदावन में गुम हुए श्रद्धालओं के 154 मोबाइल तलाशे

थाना वृन्दावन पुलिस ने विभिन्न मन्दिरों से गुम हुए 154 मोबाईल सीईआईआर पोर्टल की मदद से बरामद किये हैं। पुलिस टीम द्वारा विभिन्न मन्दिरों से गुम हुए मोबाईलों को सीईआईआर पोर्टल की मदद से बरामद कर मोबाईल मालिकों से दूरभाष वार्ता कर उनके पतों पर कोरियर कर भिजवाया जाएगा। टीम में प्रशान्त कपिल प्रभारी निरीक्षक थाना वृन्दावन, धर्मेन्द्र कुमार अतिरिक्त निरीक्षक थाना वृन्दावन, कम्प्यूटर आपरेटर सुशील कुमार थाना वृन्दावन आदि थे।

बरसात ने दी मथुरा को राहत, परंपरागत मुसीबतें बरकरार रहीं!

● शहर में जगह जगह हुआ जलभराव, अब सुधार के वायदे भी नहीं करता कोई

स्वतंत्र प्रभात

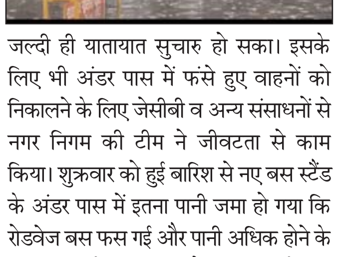

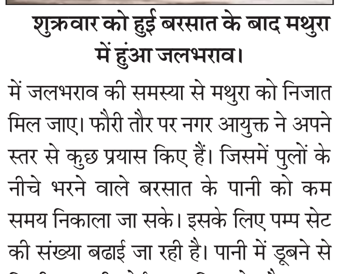

शुक्रवार को हुई बरसात के बाद मथुरा में हुंआ जलभराव।

मथुरा। मई जून की गर्मी में बरसात और तेज हवाओं ने लोगों को राहत दी है। किसानों को इस बरसात से बडी राहत मिली है। पशुओं के लिए चारे की फसल बुआई हो सकेगी। वहीं खडी फसलों में जोरदार पानी लग गया है जो सिर्फ बरसात से ही संभव है। 40 से ऊपर तापमान चल रहा है। ऐसे में खेतों में दिन के समय सिंचाई करना मुफीद नहीं है और रात के समय किसानों को बिजली नहीं मिलती है ऐसे में बरसात किसानों के लिए वरदान बन कर आई है। जिन क्षेत्रों में दलहनी फसलों की बुआई हुई है, उन किसानों को भी लाभ हुआ है। हालांकि तेज हावाओं से कई जगह पेड गिरने से विद्युत व्यवस्था में व्यवधान आया और मथुरा शहर के अंदर जलभराव की परंपरागत समस्या पैदा हो गई। अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर जलभराव का समाधान कराया। शुक्रवार की सुबह हुई मूसलाधार बारिश के कारण शहर में भूतेश्वर, पुराने और नये बस स्टैंड अंडरपास पर हुए जलभराव से तत्काल पानी निकालने के लिए नगर निगम की टीम जुट गई। नगर आयुक्त शशांक चौधरी और अपर नगर आयुक्त मौके पर पहुंच गये और कार्य कराया। जल्दी ही यातायात सुचारु हो सका। इसके लिए भी अंडर पास में फंसे हुए वाहनों को निकालने के लिए जेसीबी व अन्य संसाधनों से नगर निगम की टीम ने जीवटता से काम किया। शुक्रवार को हुई बारिश से नए बस स्टैंड के अंडर पास में इतना पानी जमा हो गया कि रोडवेज बस फस गई और पानी अधिक होने के कारण पानी में बंद ही बंद हो गई। वहीं नये बस स्टैंड से मथुरा जंक्शन की तरफ जा रहे बुजुर्ग का रिक्शा भी डूब गया। बाहर से आने वाले पर्यटकों की बारिश की वजह से कई बार ट्रेन छूट जाती है तो कई बार दर्शनों से भी रह जाते हैं। भूतेश्वर चौराहा और नया बस स्टैंड जो कि कचहरी से वृंदावन को जोडत है यह नगर महानगर का मुख्य रस्ता है। लोग सुबह बरसात होने पर फंस जाते हैं। स्टेट बैंक चौराहे से भूतेश्वर तक जलभराव गंभीर समस्या बन जाता है।

फौरी तौर पर उठाये कदम

मथुरा। जलभराव का कोई स्थाई समाधान हाल फिलहाल किसी के पास नहीं है और नहीं इस तरह की किसी ठोस कार्य योजना पर काम चल रहा है जिसके पूरा होने पर साल दो साल में जलभराव की समस्या से मथुरा को निजात मिल जाए। फौरी तौर पर नगर आयुक्त ने अपने स्तर से कुछ प्रयास किए हैं। जिसमें पुलों के नीचे भरने वाले बरसात के पानी को कम समय निकाला जा सके। इसके लिए पम्प सेट की संख्या बढाई जा रही है। पानी में डूबने से किसी तरह की कोई जनहानि न हो और वाहन न फसें इसके लिए भी कुछ कदम उठाये गये है। हालांकि इससे जलभराव की समस्या का समाधान नहीं होगा लेकिन अप्रत्याशित जनहानि को जरूर रोका जा सकेगा। जलभराव के दौरान वाहनों का रूट डायवर्जन भी किया जाएगा जिससे वाहन पानी में न फसें इसके लिए अस्थाई बैरीकेडिंग की जाएगी।

राष्ट्र निर्माण को एक राष्ट्र एक चुनाव जरुरी: विधायक

● गोवर्धन में एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रबुद्ध सम्मेलन कल, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह करेंगे संबोधित

स्वतंत्र प्रभात

गोवर्धन के पीडब्ल्यूडी गैस्ट हॉउस में कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विधायक मेघ श्याम सिंह, महानगर अध्यक्ष राजू यादव, मनीष लम्बरदार चेयरमैन प्रतिनिधि, कान्हा शर्मा मंडल गोवर्धन आदि।

मथुरा। भाजपा एक देश, एक चुनाव को लेकर प्रवुद्ध सम्मेलन आयोजित कर रही है। इसी क्रम में 3 मई को गोवर्धन के गुरु कृपा गार्डन में यह कार्यक्रम आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह शिरकत करेंगे। शुक्रवार को भाजपा विधायक ठा. मेघ श्याम सिंह ने कस्बे के पीडब्ल्यूडी गैस्ट हॉउस में पत्रकारों से वार्ता के दौरान सम्मेलन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक देश एक चुनाव की पहल कर रहे हैं। इससे ना केवल देश को आर्थिक लाभ होगा, बल्कि समय और विकास कार्यों में तेजी आएगी। बार-बार चुनाव होने से आम जनता, कर्मचारी, अधिकारी परेशान होते हैं। साथ ही मतदाता मतदान में रुचि नहीं रखते। इससे निजात पाने के लिए प्रधानमंत्री देश को सशक्त समृद्धशाली राष्ट्र निर्माण के वाहक है। उन्होंने ने कहा कि कांग्रेस और पीडीए वाले आम जनमानस में भ्रम फैलाने का षड्यंत्र करते हैं। हम सभी को जनता की बीच जाकर इनके षड्यंत्र को बताना होगा। महानगर अध्यक्ष राजू यादव ने बताया कि वन नेशन वन इलेक्शन से न सिर्फ देश की तरक्की होगी बल्कि बेहतर सुशासन में भी मदद मिलेगी। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लम्बरदार, मंडल अध्यक्ष कान्हा शर्मा, महानगर मंत्री चंद्रपाल सिंह कुंतल, पूर्व मंडल अध्यक्ष परशुराम सिंह, राधाकुंड मंडल अध्यक्ष प्रकाश गौड़, राजेंद्र सिंह सिंघल सरोज सिंह आदि भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

विद्यालय के मेधावी छात्र पुरस्कृत

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के धनोहरी गांव में स्थित कृष्ण मोहन सर्वोदय विद्यालय में नर्सरी से कक्षा 5 तक का परीक्षाफल घोषित किया गया। अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य मिथिलेश श्रीवास्तव ने बताया कि नर्सरी से पांच तक के बच्चों का अंक पत्र वितरण किया गया है। वितरण के दौरान बच्चों को कॉपी पेंसिल के साथ अंक पत्र दिया गया इसको पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे । संरक्षक अनुराग श्रीवास्तव ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और अध्यापकों से स्कूल के प्रति सच्ची मेहनत और लगन से कार्य करने का आह्वान किया।

एसडीएम ने अवैध खनन में पांच टैक्टर ट्राली एक जेसीबी पकड़ी

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के बरगदवा पूर्वी के सिवान से अवैध खनन कर रही जेसीबी मशीन और मिट्टी लदी पांच ट्रैक्टर ट्रॉली पकड़ कर प्रशासन ने गोल्हौरा पुलिस को सुपुर्द किया।

वृहस्पतिवार की देर रात में उप जिलाधिकारी को दूरभाष पर किसी ने सूचना दिया कि बरगदवा पूर्वी के सिवान में अवैध खनन हो रहा है। उपजिलाधिकारी व तहसीलदार खनन स्थल पर पहुंचे जहां जेसीबी से खुदाई करके मिट्टी ट्राली में लादा जा रहा था तहसीलदार ने तत्परता दिखाते हुए सभी दो मिट्टी लदी हुई ट्रैक्टर ट्राली व तीन टैक्टर ट्राली खाली जो मिट्टी लादने के कतार में लगे थे को पकड़ कर गोल्हौरा पुलिस को सुपुर्द कर दिया।

उक्त मामले में उपजिलाधिकारी इटवा कुणाल ने बताया कि रात में अवैध खनन सूचना मिलने पर मौके पर तहसीलदार के साथ स्थल पर पहुंच कर सभी अवैध ट्रैक्टर ट्राली व जेसीबी को पकड़ कर गोल्हौरा थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है। यह कन्फर्म नहीं हो पाया कि यह जमीन सरकारी है या काश्तकार का है। इसकी जांच कराई जाएगी। इसकी सूचना अपर जिलाधिकारी को दे दी गई है। आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला पत्रकार व परिजनों को मारने-पीटने के मामले में न्याय के लिए पत्रकारों ने शुरू किया धरना प्रदर्शन

● पत्रकार रूबी अवस्थी बड़ी संख्या ने पत्रकारों के साथ धरने पर बैठी। भीम आर्मी सेना ने भी समर्थन में आ गयी और धरना-प्रदर्शन में तमाम लोग शामिल हुए

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा। महिला पत्रकार व उसके परिजनों को मारने-पीटने तथा उसकी नाबालिग बहन के साथ छेड़छाड़ के मामले में कोतवाली देहात पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित जिला पंचायत टीनशैड के नीचे धरना-प्रदर्शन शुरू हुआ, जिसमें पत्रकारों के साथ ही भीम आर्मी सेना के लोग भी शामिल हुए।शुक्रवार को सुबह ही पत्रकार रूबी अवस्थी बड़ी संख्या में पत्रकारों के साथ धरने पर बैठ गयीं। इस दौरान भीम आर्मी सेना ने भी समर्थन में आ गयी और धरना-प्रदर्शन में तमाम लोग शामिल हुए। पत्रकार रूबी अवस्थी ने कहा कि उनके गांव के ही दबंग किस्म के लोगों ने उसे तथा उसके परिजनों को मारा-पीटा जिसमें उसके भाई का लखनऊ में इलाज चला। इस मामले में पुलिस ने 14 मार्च को मुकदमा दर्ज कर लिया लेकिन बाद में विपक्षियों से भी साठगांठ करके दूसरे दिन क्रास केस दर्ज कर दिया। इससे आरोपियों का मनोबल बढ़ गया जिसका नतीजा यह हुआ कि 21 मार्च को उसकी नाबालिग बहन से विपक्षियों ने छेड़छाड़ की। बदनीयती से उसका कपड़ा फाड़ दिया गया, जिसके संबंध में राज्यपाल व मुख्यमंत्री के साथ ही जनपद के सभी प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उसकी बहन के साथ की गयी बदसलूकी का मामला आरोपियों के खिलाफ देहात कोतवाल ने दर्ज करने से साफ इंकार कर दिया। इससे निराश होकर उसने शुक्रवार से धरना-प्रदर्शन शुरू किया है। इस अवसर पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के साथ ही भीम आर्मी सेना ने भी धरना-प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया। शुक्रवार को धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रदीप तिवारी, अनिल दूबे, अशोक पाठक, ए आर उस्मानी, किशोर जायसवाल, खुशबू कनौजिया, जितेन्द्र कुमार सोनकर, जोगेन्द्र प्रसाद, रवीन्द्र कुमार द्विवेदी, मुन्नालाल पांडेय, राजकुमार तिवारी, विनोद तिवारी, विशाल गुप्ता, अमित गौतम, राहुल तिवारी, दुर्गेश जायसवाल, सूर्य मणि द्विवेदी, शनि सिंह, नीरज शुक्ला, करन बौद्ध, अमरेश प्रजापति, अमित कुमार गौतम, अशोक कुमार, देवी प्रसाद, संतोष भारती, शिव कुमार, उपेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में पत्रकार व भीम आर्मी सेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेनतीजा रही वार्ता

धरने पर बैठे पत्रकारों से बातचीत करने के लिए सिटी मजिस्ट्रेट पहुंचे लेकिन बात नहीं बनी। शाम को फिर सीओ सिटी के साथ सिटी मजिस्ट्रेट धरना स्थल पर पहुंचे और पत्रकारों से बातचीत की। अधिकारियों ने कहा कि आज धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दीजिए और कल पुलिस अधीक्षक से वार्ता कर लें, लेकिन इस सुझाव को पत्रकारों ने मानने से इंकार कर दिया। देर शाम तक धरना-प्रदर्शन जारी रहा।

आरटीईः प्रवेश को कहीं अभिभावक तैयार नहीं तो कहीं शिक्षण संस्था

● चार संस्थाएं आरटीई के तहत प्रवेश देने को तैयार नहीं

पांच मार्च को इनके साथ राजीव भवन में बैठक करने के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना बैठक लेते हुए।

मथुरा। शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की के अन्तर्गत शैक्षिक सत्र 2025-26 में चयनित 1278 बच्चों के प्रवेश के सम्बन्ध में गूगल मीट के माध्यम से बैठक हुई। जिसमें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त एवं जनपद के समस्त ब्लॉक के खण्ड शिक्षा अधिकारी तथा प्रभारी जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि जो अभिभावक अपने बच्चों का प्रवेश कराने के लिए इच्छुक नहीं है ऐसे सभी 139 अभिभावकों से संपर्क किया जाए और यह पता लगायाजाए कि वह अपने बच्चों को प्रवेश क्यों नहीं दिला रहे हैं? जिन अभिभावकों से संपर्क नहीं हो पाया है ऐसे 43 अभिभावकों के निवास स्थान पर जाकर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि वह अपने बच्चों का प्रवेश आगामी तीन दिन के अंदर आवंटित विद्यालय में करा लें।

जिन बच्चों के अभिभावक आरटीई के अंतर्गत आवंटित विद्यालय में प्रवेश के इच्छुक हैं लेकिन प्रवेश अद्यतन नहीं हो पाया है ऐसे सभी शेष 121 बच्चों का आवंटित विद्यालयों में तत्काल प्रभाव से प्रवेश कराने के लिए सम्बन्धित सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए गए। जिन विद्यालयों को आवंटित बच्चों का प्रवेश लेने में समस्या हो रही है अथवा ऐसे विद्यालय जो चयनित बच्चों का प्रवेश लेने में आना कानी कर रहे हैं जनपद के चिन्हित ऐसे चार विद्यालयों (ज्ञानदीप शिक्षा भारती सी.सै स्कूल, संस्कार पब्लिक स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल अकबरपुर एवं सेंट तेरेसा स्कूल कोसीकला) के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक के साथ पांच को अपराह्न एक बजे राजीव भवन सभागार में बैठक बुलाने को कहा गया है।

अवैध खनन पर जिला प्रशासन का शिकंजा, एक रात में तीन बड़ी कार्रवाइयां, अब तक जब्त हुए 30 वाहन

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा। जनपद गोण्डा में अवैध खनन और उसके परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा की जा रही सख्ती का असर लगातार सामने आ रहा है। गुरुवार देर रात प्रशासन ने तीन अलग-अलग स्थानों पर बड़ी कार्रवाइयां करते हुए अवैध खनन और बालू-मिट्टी के अवैध परिवहन में लिप्त कुल 8 वाहनों को पकड़कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की है। जिला प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट संकेत दिया गया है कि अवैध खनन के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

कार्रवाई 1- नवाबगंज क्षेत्र में चार ट्रकों का चालान

थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत कटरा के पास अवैध रूप से बालू का परिवहन करते हुए चार ट्रकों को पकड़ा गया। इन वाहनों के पास वैध अभिवहन पास नहीं था। प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से इन चारों ट्रकों का ऑनलाइन चालान किया, जिसमें से तीन ट्रकों ने मौके पर ही चालान राशि जमा कर दी।

कार्रवाई 2- मनकापुर में एक ट्रक जब्त

एक अन्य ट्रक को बालू के अवैध परिवहन के चलते जब्त कर लिया गया। यह कार्रवाई थाना मनकापुर क्षेत्र में की गई, जहां ट्रक को कब्जे में लेकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

कार्रवाई 3- मोतीगंज में मिट्टी खनन पर शिकंजा

थाना मोतीगंज क्षेत्र के राजगढ़ में अवैध मिट्टी खनन और परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक लोडर को पकड़ा गया। यह कार्रवाई देर रात की गई, जिसमें सभी वाहन जब्त कर थाना मोतीगंज को सुपुर्द किए गए।अब तक 30 वाहन जब्त~ प्रशासन की सख्ती जारी जिला प्रशासन ने बीते कुछ दिनों में कुल 30 वाहनों को अवैध खनन और परिवहन के मामलों में जब्त किया है। इनमें शामिल हैं-

» कोतवाली देहात- 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 1 लोडर

» थाना खरगूपुर- 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 1 लोडर

» थाना कटरा बाजार- 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 1 लोडर

» थाना नवाबगंज- 6 ट्रक (3 जब्त, 3 चालान), 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली

» थाना खोड़ारे- 2 ट्रैक्टर, 1 लोडर

» थाना मनकापुर- 1 ट्रक

» थाना मोतीगंज- 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 1 लोडर

» थाना करनैलगंज- 2 ट्रक (ऑनलाइन चालान)

» थाना वजीरगंज- 1 ट्रक (ऑनलाइन चालान)

राधा कालिंदी कुंज वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारियों ने की शपथ ग्रहण

मथुरा। श्री राधा कालिन्दी कुंज वैलफेयर सोसायटी जयसिंहपुरा के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व सदस्यों को मुख्य अतिथि एवं भागवत वक्ता शिवकान्त महाराज ने प्रमाणपत्र व ठाकुरजी का चित्रपट देकर शपथ ग्रहण कराई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि शिवकान्त महाराज द्वारा ठाकुर जी के चित्र पर मल्यापर्ण एवं दीप प्रज्जवलन करके किया गया। इस अवसर पर भूरी सिंह शर्मा, ब्रजगोपाल अग्रवाल, अमरनाथ अग्रवाल, विजय शर्मा, रतन माहेश्वरी को संरक्षक, अध्यक्ष सुमित अग्रवाल, सचिव गुड्डू अग्रवाल, उपाध्यक्ष योगेश निवाड़ वाले, कोषाध्यक्ष सुशील तिवारी, प्रचारमंत्री चौ. सचिन अग्रवाल, व्यवस्थामंत्री योगेश बर्तन वाले को शपथ ग्रहण कराई गई। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी संजय पाठक, उमेंश लाइट वाले, संजय तस्वीर वाले, दीपक गोयल, मोहन श्याम शर्मा, हर्ष अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद राकेश भाटिया आदि उपस्थित थे।